



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 97]
No. 97]नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, अप्रैल 5, 2007 / चैत्र 15, 1929
NEW DELHI, THURSDAY, APRIL 5, 2007/CHAITRA 15, 1929

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क याहानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 4 अप्रैल, 2007

अंतिम जांच परिणाम

विषय: चीन जन.गण. के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित जिक आक्साइड के आयातों से संबंधित पाटनरोधी निर्णायक समीक्षा जाँच।

सं. 15/4/2005- डीजीएडी - 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 (जिसे एतदपश्चात् अधिनियम कहा गया है) तथा सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क अथवा अतिरिक्त शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियम, 1995 (जिन्हें एतदपश्चात् नियम कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए;

क. पृष्ठभूमि

2. यतः उपर्युक्त नियमावली को ध्यान में रखते हुए निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें एतदपश्चात् प्राधिकारी कहा गया है) ने चीन जन.गण के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित जिक आक्साइड के कथित पाटन के संबंध में 8.12.2000 को पाटनरोधी जांच की शुरुआत की थी तथा प्राधिकारी के दिनांक 5.3.2001 के प्रारंभिक जांच परिणाम के आधार पर दिनांक 09.04.2001 की सीमाशुल्क अधिसूचना द्वारा चीन जन.गण से जिक आक्साइड के आयात पर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाया था। प्राधिकारी के अंतिम जांच परिणाम दिनांक 5.10.2001 की अधिसूचना द्वारा अधिसूचित किए गए थे तथा राजस्व विभाग ने दिनांक 2.11.2001 की अधिसूचना द्वारा चीन जन.गण. से आयातित संबद्ध वस्तुओं पर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाया था।

3. घरेलू उद्योग द्वारा धारा 9क(5) के अनुसार प्रस्तुत विधिवत साक्षांकित आवेदन के आधार पर जिसमें और 5 वर्षों की अवधि के लिए शुल्क को जारी रखने का अनुरोध किया गया था, निर्दिष्ट प्राधिकारी ने दिनांक 7.4.2006 की अधिसूचना द्वारा कथित उपायों के विरुद्ध यह जांच करने के लिए कि क्या शुल्क की समाप्ति के फलस्वरूप पाटन और/अथवा क्षति जारी रहेगी अथवा इसकी पुनरावत्ति होगी, निर्णायक समीक्षा कार्यवाही की शुरूआत की थी। जांच जनवरी, 2005-दिसम्बर 2005 की अवधि के लिए की गई थी। तथापि, क्षति की जांच, जांच अवधि सहित 2002-03 से आगे की अवधि के लिए की गई थी।

4. जांच के संबंध में नीचे वर्णित प्रक्रिया का अनुसरण किया गया है:

i) निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें एतदपश्चात् प्राधिकारी कहा गया है) ने उपर्युक्त नियम के तहत घरेलू उद्योग से एक आवेदन प्राप्त किया था जिसमें चीन जन.गण (जिसे एतदपश्चात् संबद्ध देश कहा गया है) के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित जिक आक्साइड (जिसे एतदपश्चात् संबद्ध वस्तु कहा गया है) के आयात से संबंधित पाटनरोधी शुल्क की समीक्षा, उसे जारी रखने तथा उसमें वृद्धि करने के लिए निर्णायक समीक्षा जांच की शुरूआत करने का अनुरोध किया गया था।

ii) आवेदक द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना से पर्याप्त प्रथम दृष्टया औचित्य प्रदर्शित होता है कि पूर्व में लगाए गए पाटनरोधी शुल्क की निर्णायक समीक्षा किए जाने की आवश्यकता है। संतुष्ट होने पर प्राधिकारी ने दिनांक 7.4.2006 को एक सार्वजनिक सूचना जारी की जिसे भारत के राजपत्र, असाधरण में प्रकाशित किया गया था जिसमें चीन जन.गण. के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित संबद्ध वस्तु जो सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की अनुसूची-I के अध्याय 28 के अन्तर्गत वर्गीकृत है, के आयात से संबंधित पाटनरोधी निर्णायक समीक्षा जांच की शुरूआत की गई है।

iii) प्राधिकारी ने संबद्ध देश के ज्ञात निर्यातकों को निर्यातक प्रश्नावली तथा बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार से संबंधित प्रश्नावली के साथ सार्वजनिक सूचना की एक प्रति अग्रेषित की थी तथा उन्हें प्रासंगिक सूचना देने एवं नियम 6(2) के अनुसार पत्र की तारीख से चालीस दिनों के भीतर लिखित में अपने विचार व्यक्त करने के लिए अवसर प्रदान किया था।

iv) प्राधिकारी ने भारत में संबद्ध वस्तुओं के सभी ज्ञात आयातकों तथा उपभोक्ताओं को सार्वजनिक सूचना की एक प्रति अग्रेषित की थी तथा उन्हें प्रासंगिक सूचना प्रदान करने तथा नियम 6(2) के अनुसार पत्र के जारी होने की तारीख से चालीस दिनों के भीतर लिखित में अपने विचार व्यक्त करने की सलाह दी थी।

v) वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआईएंडएस), कोलकाता से जांच अवधि तथा पूर्ववर्ती तीन वर्षों के लिए भारत में संबद्ध वस्तु के आयात के ब्यौरे उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया था।

vi) प्राधिकारी ने उपर्युक्त नियम 6(3) के अनुरूप संबद्ध देश के ज्ञात निर्यातकों तथा दूतावास को आवेदन के अगोपनीय रूपातर की प्रतियां मुहैया कराई थी। अगोपनीय आवेदन की एक प्रति, जहाँ कहीं आवश्यक हो अन्य हितबद्ध पक्षकारों को भी उपलब्ध कराई गई थी।

vii) प्राधिकारी ने मौखिक रूप से प्रासंगिक सूचना प्रस्तुत करने के लिए हितबद्ध पक्षकारों को अवसर प्रदान करने के लिए दिनांक 22 अगस्त, 2006 को एक सार्वजनिक सुनवाई आयोजित की । घरेलू उद्योग को छोड़कर किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने मौखिक सुनवाई में भाग नहीं लिया । सार्वजनिक सुनवाई में उपस्थित पक्षकारों को मौखिक रूप से प्रस्तुत सूचना को लिखित अभ्यावेदन के रूप में प्रस्तुत करने की सलाह दी गई थी । निर्दिष्ट प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों से प्राप्त इन लिखित अभ्यावेदनों पर विचार किया है ।

viii) हितबद्ध पक्षकारों द्वारा जांच के दौरान दी गई दलीलों तथा उपलब्ध कराई गई सूचना/साक्ष्य उस सीमा तक जहां तक इनके साक्ष्य द्वारा पुष्टि की गई है तथा वर्तमान जांच में प्रासंगिक माना गया है, पर प्राधिकारी द्वारा उपर्युक्त रूप से विचार किया गया है ।

ix) प्राधिकारी ने जांच की अवधि के दौरान हितबद्ध पक्षकारों द्वारा मुहैया कराई गई सूचना जिस पर यह जांच परिणाम आधारित है, की यथार्थता के बारे में स्वयं को संतुष्ट किया । इस प्रयोजनार्थ, प्राधिकारी ने प्रासंगिक तथा आवश्यक मानी गई सीमा तक घरेलू उद्योग को मौके पर सत्यापन जांच की । क्षति के संबंध में अतिरिक्त/पूरक ब्यौरे की घरेलू उद्योग से अपेक्षा की गई थी जो प्राप्त हो गई थी ।

x) उपर्युक्त नियमावली के नियम 16 के अनुसरण में, इन जांच परिणामों के लिए विचार किए गए आवश्यक तथ्यों/आधार को हिमबद्ध पक्षकारों पर प्रकट किया गया था तथा इन पर प्राप्त टिप्पणियों पर अंतिम जांच परिणाम में विचार किया गया है ।

xi) प्राधिकारी ने स्वयं द्वारा रखी गई एक सार्वजनिक फाइल के जरिए विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्ष्य के अगोपनीय रूपांतर उपलब्ध कराए थे तथा इसे नियम 6(7) के अनुसार हितबद्ध पक्षकारों द्वारा जांच किए जाने के लिए खुला रखा था ।

xii) उत्पादन की इष्टतम लागत, सामान्य रूप से स्वीकृत लेखा सिद्धीतों (डीएएपी) के आधार पर भारत में संबद्ध वस्तु को बनाने तथा बेचने की लागत तथा आवेदक द्वारा दी गई सूचना को परिकलित करने के लिए लागत जांच की गई थी ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन से कमतर पाटनरोधी शुल्क, घरेलू उद्योग को हो रही क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा ।

xiii) इस अधिसूचना में **** हितबद्ध पक्षकार द्वारा गोपनीय आधार पर मुहैया कराई गई तथा नियमों के तहत गुण-दोष के आधार पर प्राधिकारी द्वारा ऐसी मानी गई सूचना को दर्शाता है ।

xiv) जांच 1 जनवरी 2005 - 31 दिसम्बर, 2005 की अवधि के लिए की गई है तथा इसे जांच अवधि के रूप में संदर्भित किया गया है । क्षति विश्लेषण के संदर्भ में प्रवृत्तियों की जांच में समाहित अवधियों 2002-03, 2003-04, 2004-05 तथा जांच अवधि है ।

ख. विचाराधीन उत्पाद तथा समान वस्तु

ख. 1 हितबद्ध पक्षकारों के विचार

5. घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया है कि वर्तमान समीक्षा जांच निर्णायक सीमिक्षा जांच है । मूल जांच तथा वर्तमान निर्णायक समीक्षा जांच में अंतर्ग्रस्त उत्पाद जिक ऑक्साइड है । वर्तमान निर्णायक समीक्षा में विचाराधीन उत्पाद वही रहना चाहिए जो मूल जांच में था क्योंकि वर्तमान जांचें केवल

पाटनरोधी शुल्क की समीक्षा ही करती है। आगे यह तर्क दिया गया है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित तथा चीन से आयातित जिंक ऑक्साइड समान वस्तु हैं। उन्होंने यह अनुरोध किया है विचाराधन उत्पाद तथा सामन वस्तु को दायरे की निर्णायक समीक्षा में जांच करना अपेक्षित नहीं है। इन्हें दो विभिन्न सीमाशुल्क वर्गीकरणों में समाहित किया गया है - जिंक ऑक्साइड एक अकार्बनिक रसायन है जिसे सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अध्याय 28 तथा अध्याय 38 के तहत वर्गीकृत किया गया है। घरेलू उद्योग ने यह अनुरोध किया है कि दोनों ही वर्गीकरणों पर शुल्क लगाने की सिफारिश की जानी चाहिए।

ख. 2 प्राधिकारी द्वारा जांच

6. वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद मूल जांच के समान ही सभी ग्रेडों वाला जिंक ऑक्साइड है। इसे सीमाशुलक टैरिफ अधिनियम, 1975 की अनुसूची-I के अध्याय 28 के सीमाशुल्क उपशीर्ष 2817 तथा अध्याय 38 के 3812 के तहत वर्गीकृत किया जाता है। वर्गीकरण केघल संकेतात्मक है तथा वर्तमान जांच के दायरे पर किसी भी प्रकार से बाध्यकारी नहीं है।

7. जिंक आंक्साइड ZnO रासायनिक सूत्र वाला सफेद/श्वेताभ चूर्ण है। यह आटोमोबाइल टायर रबड़ की वस्तुओं, उच्च शुद्धता वाले जिंक रसायन तथा सल्फेट, क्लोराइड आदि के विनिर्माण में प्रयुक्त होता है। यह सिरेमिक उद्योग में कच्चे माल तथा पशु खाद्य संघटकों में पूरक के रूप में भी प्रयुक्त होता है।

8. घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्भीत तथ संबद्ध देश द्वारा निर्यातित वस्तुएं एक समान हैं तथा तकनीकी एवं वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं इसलिए प्राधिकारी मानते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तुएं उपर्युक्त नियमावली के नियम 2 (घ) के अनुसार विचाराधीन उत्पाद के सामान वस्तुएं हैं।

ग घरेलू उद्योग

ग 1. घरेलू उद्योग के विचार

9. घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया है कि देश में जिंक ऑक्साइड के उत्पादन के संबंध में कोई प्रकाशित सूचना उपलब्ध नहीं है। मूल जांच के समय भी निर्दिष्ट प्राधिकारी ने भारत में जिंक आंक्साइड के उत्पादन का निर्धारण अपेक्षित कच्चे माल अर्थात् जिंक आंक्साइड के उत्पादन के लिए जिंक तथा उपभोक्ता क्षेत्र द्वारा जिंक आंक्साइड की खपत, की खपत का आकलन करके किया था। याचिकाकर्ता ने, मूल जांच में प्राधिकारी द्वारा किए गए अनुसार ही इस समीक्षा जांच में जिंक आंक्साइड के भारतीय उत्पादन के निर्धारण के लिए इसी विधि को अपनाया था। इसके अलावा, भारतीय उत्पादकों के एसोसिएशन ने विभिन्न भारतीय उत्पादकों द्वारा संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन के कंपनी-वार व्यौरे मुहैया कराए हैं। उन्होंने अनुरोध किया है कि भागीदार कंपनियों का उत्पादन कुल भारतीय उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा बनता है। इसलिए भागीदार कंपनियां नियमावली के अर्थ के भीतर घरेलू उद्योग बनाती हैं।

ग 2. प्राधिकारी द्वारा जांच

10. यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग के दायरे के संबंध में घरेलू उद्योग के अभ्यावेदन तथा साथ ही विभिन्न उत्पाद के नाम व उनके उत्पादन के संबंध में जिक आक्साइड उत्पादक एसोसिएशन द्वारा दायर की गई सूचना के आधार पर जांच अवधि में जिक अम्क्साइड का भारतीय उत्पादन 56903 मी.टन आकलित किया गया है। निम्नलिखित भारतीय उत्पादकों ने निर्धारित प्रपत्र में लागत तथा क्षति संबंधी सूचना प्रस्तुत की है,

- i द्रांसपेक सिलाक्स इंडस्ट्री लिमिटेड
- ii डेमोशा केमिकल्स लिमिटेड (वेस्टर्न इंडिया इंडस्ट्रीज)
- iii जिक्वाइल्ड इंडिया
- iv जे जी केमिकल्स
- v मेटाल्को
- vi लबामिन लिमिटेड

यह नोट किया जाता है कि आवेदक कंपनियों का उत्पादन, कुल भारतीय उत्पादन का 41% हिस्सा बनाता है तथा नियमावली के अर्थ के भीतर घरेलू उद्योग बनाता है।

घ. पाटन तथा पाटन के जारी रहने की संभावना

घ.1 घरेलू उद्योग के विचार

11. घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया है कि

(i) पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के साथ ही जिक आक्साइड के आयात में गिरावट आई है किन्तु पाटनरोधी शुल्क हटाए जाने की स्थिति में गहनतर पाटन की संभावना तथा पुनरावृत्ति होगी। निर्यातों की वर्तमान मात्रा, आकलित सामान्य मूल्य से अत्यधिक कम कीमत पर लाई गई है। संबद्ध देश से संबद्ध उत्पाद का विश्व भर में पाटित कीमतों पर अत्यधिक निर्यात किया गया है। चीनी उत्पादक पाटित कीमतों पर निर्यात कर रहे हैं इसीलिए पाटनरोधी शुल्क की अवधि के दौरान आयात मात्रा में गिरावट को विद्यमान शुल्कों की समाप्ति की अनुमति देने के लिए पर्याप्त नहीं माना जा सकता।

(ii) यह जांच करने के लिए कि क्या शुल्क को समाप्त करने से चीन के निर्यातकों को भारत को संबद्ध वस्तु का निर्यात एक बार पुनः पाटित कीमतों पर करने की अनुमति मिलेगी, निर्दिष्ट प्राधिकारी को यह जांच करनी चाहिए कि क्या निर्यातक देश से तीसरे देशों को निर्यात पाटित कीमतों पर हो रहे हैं तथा किस तरह ये निर्यात कीमतें (क) भारत में अन्य स्रोतों से आयात कीमत; (ख) भारतीय उत्पादकों की बिक्री कीमत के साथ व्यवहार करती हैं।

चीन से निर्यातों की मात्रा

वर्ष	ईयू		भारत		अन्य देश		कुल	
	मात्रा मी.टन	कीमत अम.डा./मी. टन	मात्रा मी.टन	कीमत अम.डा./मी.टन	मात्रा मी.टन	कीमत अम.डा./मी.ट न	मात्रा मी.टन	कीमत अम.डा./मी. टन
2000-01	54018	747.90	3299	767.31	83400	724.82	140718	734.68
2001-02	24473	676.28	510	714.72	49685	738.23	74667	717.77

2002-03	30917	628.32	459	656.83	65285	655.05	96661	646.51
2003-04	28944	680.22	345	706.33	55988	734.77	85277	716.14
2004-05	12798	895.40	139	944.28	54118	969.85	67055	955.59
जन.-दिस. 2005	2573	1035	771	804	58614	1121	61958	1114

12. यह देखा जाता है कि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के पश्चात् ईयू को चीनी निर्यातों में अत्यधिक गिरावट आई । घरेलू उद्योग ने भी यह अनुरोध किया है कि ईयू ने वियतनाम से चीनी मूल के जिंक आक्साइड के आयात पर पाटनरोधी शुल्क में वृद्धि की थी तथा ईयू द्वारा यह भी पाया गया था कि चीनी उत्पादकों ने जिंक आक्साइड के साथ सिलिका के मिश्रण को निर्यात कर पाटनरोधी शुल्क देने में धोखाधड़ी का सहारा लिया था । यह अनुरोध किया गया है कि चीन के उत्पादकों के पास अत्यधिक उत्पादन क्षमता है जबकि उत्पाद की मांग अत्यधिक कम है । उन्होंने आगे जिंक आक्साइड पर एक बाजार शोध पत्र प्रस्तुत किया है जिसके अनुसार संबद्ध वस्तु के उत्पादन के लिए चीनी क्षमता लगभग 32,60,000 मी.टन है जबकि घरेलू मांग 49,6700 मी.टन तथा निर्यात लगभग 61,000 मी.टन सामग्री के दायरे में है जो उनके पास उत्पादन की अत्यधिक अप्रयुक्त क्षमता के शेष रहने को दर्शाता है ।

(i) जिंक विचाराधीन उत्पाद के उत्पादन के लिए प्रमुख निविष्टि है तथा इसकी कीमतें लंदन धातु एक्सचेंज द्वारा घोषित कीमतों द्वारा शासित होती हैं । लंदन धातु एक्सचेंज द्वारा जारी की गई सूचना के अनुसार, प्रस्तावित जांच अवधि के दौरान जिंक की कीमतों में तीव्र गिरावट आई । आयात सूचना तथा जिंक की कीमतों में घट-बढ़ दर्शाती है कि चीन से अक्टूबर-दिसंबर, 2005 में निर्यात कीमत जिंक के आधार पर उत्पादन की लागत में वृद्धि के समानुपातिक रूप से नहीं बढ़ी थी । हालांकि यह प्रस्तावित जांच अवधि के एक चौथाई में थी तथापि यह रूपरूप से संभावित स्थिति का संकेत देती है तथा यह तथ्य बताती है कि चीनी उत्पादक ऐसी कीमतों पर उत्पाद का निर्यात कर सकते हैं कि उसका घरेलू उद्योग की कीमतों पर न्यूनीकारक प्रभाव हो सकता है तथा जिंक की कीमतों पर जिंक आक्साइड की कीमतों के बीच कोई सह-संबंध नहीं पाया गया है ।

(ii) जिंक का खनन तथा इसकी कीमत में उतार-चढ़ाव चीन की सरकार के नियंत्रणाधीन है । इसके अलावा चीन की सरकार, जिंक पर निर्यात शुल्क लगाकर जिंक की कीमतों पर तर्दर्थ नियंत्रण का सहारा ले रही है । अधिग्रहण संधि के अनुसार चीन की सरकार ने इस उत्पाद पर निर्यात शुल्क लगाया है । जिंक पर लागत प्रत्यक्ष लागत में से अधिकांश तथा जिंक आक्साइड के उत्पादन तथा बिक्री की कुल लागत का प्रतिनिधित्व करती है इसलिए जिंक की अधिमानी या अनुकूलताम कीमतों से स्वाभाविक रूप से चीनी उत्पादकों को अनुचित लाभ मिलेगा जिससे वे विदेशी बाजारों में माल का पाटन कर पाएंगे ।

घ.2 प्राधिकारी द्वारा जांच

13. प्राधिकारी ने विभिन्न प्राधिकारियों द्वारा अपनी निर्णायक समीक्षाओं में अपनाई गई पद्धतियों एवं प्रक्रियाओं और इस विषय पर संगत डब्ल्यूटीओ विधान के बारे में घरेलू उद्योग द्वारा दिए गए विभिन्न तर्कों को नोट किया है । प्राधिकारी नोट करते हैं कि चूंकि यह एक निर्णायक समीक्षा जांच है इसलिए इस बात की जांच करना अपेक्षित है कि शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में पाटन जारी रहेगा या जारी रहने की संभावना होगी और/अथवा पाटन की पुनरावृत्ति की संभावना होगी ।

घ.3 पाटन के जारी रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति की संभावना

14. प्राधिकारी ने धारा 9क(1) (ग) के अनुसार सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजनार्थ सभी ज्ञात निर्यातकों को प्रश्नावली की प्रतियां भेजी थीं। इसके अतिरिक्त पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 8(3) के अनुसार गैर बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी पूर्वानुमान का खण्डन करने के लिए बाजार अर्थव्यवस्था दर्जे के संबंध में प्रश्नावलियां भी भेजी गई थीं। चीन जन.गण. के किसी भी निर्यातक/उत्पादक ने प्रश्नावली का उत्तर नहीं दिया है और जांच में सहयोग नहीं किया है। असहयोग को देखते हुए, निर्दिष्ट प्राधिकारी के पास असहयोगी निर्यातक के संबंध में पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(3) के तहत रिकॉर्ड में उपलब्ध सर्वोत्तम सूचना के आधार पर आगे की कार्रवाई करने के अलावा और कोई विकल्प नहीं है। उक्त नियम में यह प्रावधान है कि

"यदि कोई हितबद्ध पक्षकार आवश्यक सूचना जुटाने से मना करता है अथवा उचित समय के भीतर उसे अन्यथा उपलब्ध नहीं कराता है या जांच में अत्यधिक बाधा डालता है तो निर्दिष्ट प्राधिकारी उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने जांच परिणाम दर्ज कर सकते हैं और केन्द्र सरकार को यथोचित सिफारिशें कर सकते हैं।"

सामान्य मूल्य

15. गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों से आयातों की पाटनरोधी जांचों में, सामान्य मूल्य का निर्धारण पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैराग्राफ 7 और 8 के अनुसार किया जाता है, जिसमें निम्नानुसार प्रावधान है :-

पैरा.7 गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों से आयात के मामले में, उचित लाभ मार्जिन को शामिल करने के लिए भारत में समान उत्पाद के लिए वास्तविक रूप से भुगतान किया गया अथवा भुगतान योग्य, आवश्यकतानुसार पूर्णतया समायोजित कीमत सहित, सामान्य मूल्य का निर्धारण तीसरे देश के बाजार अर्थव्यवस्था में कीमत अथवा परिकलित मूल्य के आधार पर अथवा भारत सहित ऐसे किसी तीसरे देश से अन्य देशों के लिए कीमत अथवा जहाँ यह संभव नहीं है, या किसी अन्य उचित आधार पर किया जाएगा। निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा संबद्ध देश के विकास के स्तर तथा विचाराधीन उत्पाद को ध्यान में रखते हुए उचित पद्धति से एक उपयुक्त बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश का चयन किया जाएगा तथा चयन के समय उपलब्ध विश्वसनीय सूचना पर विचार किया जाएगा। किसी अन्य बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के संबंध में इसी प्रकार के मुद्दे के संबंध की गई जांच पर भी, जहाँ उपयुक्त हो निर्धारित समयसीमा के भीतर विचार किया जाएगा। जांच से संबंधित पक्षकारों को भी किसी अनुचित विलम्ब के बिना बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के चयन के विषय में सूचना दी जाएगी और अपनी टिप्पणियाँ देने के लिए उचित समयावधि प्रदान की जाएगी।

पैरा.8 (1) "गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश" वाक्यांश का अर्थ है कि कोई देश जिस निर्दिष्ट प्राधिकारी लागत अथवा कीमत ढांचे के बाजार सिद्धांतों को लागू नहीं करने वाले के रूप में मानते हैं। जिसके कारण ऐसे देश में पर्यावरणीय वस्तुओं की बिक्रियों उप पैराग्राफ (3) में निर्दिष्ट मानदंड के अनुसार वस्तुओं के सही मूल्य को नहीं दर्शाती है।"

(2) यह कहना परिकल्पना होगी की कोई देश जिसे जांच के पूर्ववर्ती तीन वर्षों के दौरान निर्दिष्ट प्राधिकारी अथवा डब्ल्यूटीओ के किसी सदस्य के सक्षम प्राधिकारी द्वारा पाटनरोधी जांच के प्रयोजनार्थ एक गैर-बाजार अर्थ-व्यवस्था वाला देश निर्धारित अथवा माना गया है, एक गैर-बाजार अर्थ-व्यवस्था वाला देश है।

तथापि गैर-बाजार अर्थ व्यवस्था वाला देश या ऐसे देश से संबंधित फर्म निर्दिष्ट प्राधिकारी को सूचना तथा साक्ष्य उपलब्ध कराकर इस परिकल्पना को समाप्त कर सकते हैं जो यह साबित करता हो कि ऐसा देश उप पैरा (3) में निर्दिष्ट मानदंड के आधार पर एक गैर-बाजार अर्थ-व्यवस्था वाला देश नहीं है।

(3) निर्दिष्ट प्राधिकारी प्रत्येक मामले में निम्नलिखित मानदंड पर विचार करेंगे कि क्या:-

(क) ऐसे देश में कच्ची सामग्रियों प्रौद्योगिकी लागत और श्रम, उत्पादन, बिक्रियों तथा निवेश सहित कीमतों, लागतों तथा निवेशों के संबंध में संबंधित फर्म का निर्णय आपूर्ति तथा मांग को दर्शाने वाले बाजार संकेतों तथा इस संबंध में किसी विशिष्ट राज्य हस्तक्षेप के बिना होता है और यह कि क्या मुख्य निवेशों की लागतें वास्तविक रूप से बाजार मूल्यों को दर्शाती हैं;

(ख) ऐसे फर्मों की उत्पादन लागतें तथा वित्तीय स्थिति पूर्ववर्ती गैर-बाजार अर्थ व्यवस्था प्रणाली से उठाये गये विशिष्ट विरूपणों के अधीन होती हैं। खासकर ऋणों की प्रतिपूर्ति द्वारा परिसम्पत्तियों के हास, अन्य बट्टे खाते, वस्तु विनिमय व्यापार तथा ऋणों की क्षतिपूर्ति के जरिए तथा भुगतान के संबंध में;

(ग) ऐसी फर्म दिवालिया तथा सम्पत्ति कानून के अधीन होती है जो कि फर्मों के प्रचालन की कानूनी निश्चितता तथा स्थायित्व की गारंटी देता है, तथा

(घ) विनिमय दर परिवर्तन बाजार दर पर किये जाते हैं।

तथापि, जहां इस पैराग्राफ में निर्दिष्ट मानदंड के आधार पर लिखित रूप में पर्याप्त साक्ष्य दर्शाया जाता है कि पाटनरोधी जांच के अधीन एक अथवा ऐसे अधिक फर्मों के लिए बाजार स्थितियाँ लागू होती हैं। निर्दिष्ट प्राधिकारी पैरा-7 तथा इस पैरा में निर्दिष्ट सिद्धांतों के पैरा 1 से 6 में निर्दिष्ट सिद्धांतों को लागू कर सकते हैं।

(4) "उप-पैराग्राफ (2) में निहित किसी बात के होते हुए भी निर्दिष्ट प्राधिकारी ऐसे किसी देश को बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश मान सकते हैं जिसे उप-पैराग्राफ (3) में विनिर्दिष्ट मानदण्डों सहित संगत मानदण्डों के नवीनतम विस्तृत मूल्यांकन के आधार पर किसी सरकारी दस्तावेज में ऐसे मूल्यांकन के प्रकाशन द्वारा किसी ऐसे देश जो "विश्व व्यापार संगठन" का सदस्य है, ने पाटनरोधी जांच के प्रयोजनार्थ बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना है अथवा ऐसा मानने के लिए निर्धारित किया है।"

16. नोट किया गया है कि चीन जन गण के किसी भी निर्यातक/उत्पादक ने न तो प्रश्नावली का उत्तर दिया है और न ही नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 8(3) के अनुसार गैर-बाजार अर्थव्यवस्था

पूर्वानुमान का खण्डन का उत्तर दिया है। चीन के निर्यातकों/उत्पादकों से सहयोग तथा बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार के संबंध में खण्डन के अभाव में प्राधिकारी ने नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 7 के अनुसार सामान्य मूल्य का निर्धारण, चीन जन गण के निर्यातकों को गैर बाजार अर्थव्यवस्था के तहत मानते हुए किया है।

सामान्य मूल्य

17. नोट किया गया है कि यांचिकाकर्ता ने बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में कीमत का साक्ष्य अथवा परिकलित लागत उपलब्ध नहीं कराई है। बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश द्वारा अन्य देशों से वसूली गई कीमतें भी उपलब्ध नहीं हैं। किसी अन्य हितबद्ध पक्षकार ने बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में कीमत अथवा परिकलित मूल्य के संबंध में कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है।

18. इन परिस्थितियों में, प्राधिकारी के पास किसी अन्य समुचित आधार पर कीमत का परिकलन करने का एकमात्र विकल्प बचता है। प्राधिकारी ने सक्षम घरेलू उत्पादक को कीमतों, कच्ची सामग्री की खपत की पद्धति, परिवर्तन लागत तथा एस जी ए पर विश्वास किया है। परिकलित सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए उत्पादन लागत में 5 प्रतिशत की दर से लाभ को जोड़ा गया है। इस पद्धति के अनुपालन से परिकलित सामान्य मूल्य *** अम/डा. मी.टन बनता है।

निर्यात कीमत

19. प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्ल्ड ट्रेड एटलस के अनुसार चीन जन गण से निर्यातों की मात्रा डी जी सी आई एण्ड एस के आंकड़ों में सूचित मात्रा से काफी अधिक है। अतः प्राधिकारी ने निर्यात कीमत निर्धारित करने के लिए डी जी सी आई एण्ड एस के आयात आंकड़ों पर विश्वास नहीं किया है। कारखाना द्वारा निर्यात का निर्धारण करने के लिए 1 प्रतिशत की दर से अंतर्राष्ट्रीय भांडे, 0.50 प्रतिशत की दर से पत्तन प्रभारों तथा 0.90 प्रतिशत की दर से वापसी प्रभारों में समायोजन किया गया है। समायोजन के पश्चात, परिकलित कारखाना द्वारा निर्यात कीमत *** अम.डा./मी.टन बनती है।

पाटन मार्जिन

20. ऊपर परिकलित सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत पर विश्वार करते हुए, पाटन मार्जिन *** अम.डा./मी.टन बनता है, जो निर्यात कीमत *** अम.डा./मी.टन बनता है, जो निर्यात कीमत का 71.80 प्रतिशत है।

पाटन के जारी रहने अथवा इसकी पुनरावृत्ति की संभावना

21. प्राधिकारी ने निम्नलिखित को नोट किया है:-

- (क) मूल जांच में पाटन मार्जिन 42.30 प्रतिशत था।
- (ख) वर्तमान जांच में निर्धारित पाटन मार्जिन 71.8 प्रतिशत है, जो काफी अधिक है।
- (ग) जिंक ऑक्साइड के विषय में प्रस्तुत किए गए अनुसंधान दस्तावेज के आधार पर प्राधिकारी निम्नलिखित सूचना को नोट करते हैं :-

	मी. टन में
चीन में क्षमता	3260000
चीन की घरेलू मांग	496700
मुक्त रूप से निपटान योग्य बेशी क्षमता	2763300

22. प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन जन गण के पास जिंक ऑक्साइड की अत्यधिक बेशी मात्रा मौजूद है।

23. प्राधिकारी ने इस तथ्य को नोट किया है कि जांच अवधि के दौरान संबद्ध देश से निर्यात अत्यधिक पाटित कीमतों पर किए जा रहे थे। आगे यह भी नोट किया गया है कि पाटनरोधी उपाय लागू किए जाने के पश्चात संबद्ध देश से संसबद्ध वस्तुओं के निर्यात में वर्ष 2000-01 की तुलना में वर्ष 2001-02 में 15.46 प्रतिशत तक की गिरावट आई थी। जांच अवधि के दौरान आयात वर्ष 2000-01 की तुलना में 23.37 प्रतिशत रहे थे। यह भी नोट किया गया है कि जांच अवधि के दौरान निर्यात कीमत के आधार पर कीमत कटौती, पाटनरोधी शुल्क में एक कारक न होते हुए भी घरेलू उद्योग की भारित निवल बिक्री कीमत के 25 - 35 प्रतिशत के रेंज में थी।

24. उपर्युक्त तथ्यों, विशेष रूप से 25-35 प्रतिशत की कीमत कटौती रेंज को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी का विचार है कि पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में पाटित आयातों में उछल आने की संभावना है।

ड. क्षति निर्धारण की पद्धति तथा क्षति एवं कारणात्मक संबंध की जांच

25. नोट किया गया है कि चूंकि यह पहले से लागू पाटनरोधी शुल्क की निर्णायक समीक्षा है इसलिए संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के वास्तविक अथवा संभावित आयातों के संदर्भ में घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति के जारी रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति की संभावना की जांच किए जाने की आवश्यकता है।

ड. 1 क्षति का जारी रहना

26. प्राधिकारी ने पाटनरोधी शुल्क के लागू रहने की अवधि के दौरान घरेलू उद्योग को हुई क्षति, यदि कोई हो, की जांच की है।

ड. 2 घरेलू उद्योग का विचार

27. घरेलू उद्योग ने निवेदन किया है कि:

i. पाटनरोधी शुल्क के लागू होने के पश्चात घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन में सुधार हुआ है और यह सुधार उत्पादन, बिक्री, क्षमता उपयोग, लागत, लाभ, लागत के संदर्भ में लाभ, लगाई गई पूंजी पर आय, नकद लाभ, वद्धि इत्यादि के संदर्भ में प्रदर्शित होता है।

ii. पाटनरोधी शुल्क को लागू होने से घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन में हुए सुधार से यह भी निर्धारित होता है कि मूल जांच के समय घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण, चीन और नेपाल से हुए पाटित आयात थे।

iii क्षति अवधि के दौरान आयातों की कम मात्रा इस वजह से है कि पाटनरोधी शुल्क के साथ कीमत कटौती नकारात्मक है और शुल्क समाप्त किए जाने पर आयातों की मात्रा में काफी वृद्धि होगी।

iv चीन पर पाटनरोधी शुल्क लागू किए जाने से यूरोप और भारत को उसके निर्यातों में काफी गिरावट आई है।

वर्ष	ई यू		भारत		अन्य देश		कुल	
	मात्रा मी.टन	कीमत अम.डा./मी. टन	मात्रा मी.टन	कीमत अम.डा./मी. टन	मात्रा मी.टन	कीमत अम.डा./मी. टन	मात्रा मी.टन	कीमत अम.डा./मी. टन
2000-01	54018	747.90	3299	787.31	83400	724.82	140718	734.68
2001-02	24473	676.28	510	714.72	49685	738.23	74667	717.77
2002-03	30917	628.32	459	656.83	65285	655.05	98661	646.51
2003-04	28944	680.22	345	706.33	55988	734.77	85277	716.14
2004-05	12798	895.40	139	944.28	54118	969.85	67055	955.59
जन.-दिस. 2005	2573	1035	771	804	58614	1121	61958	1114

लोत: चीन के सीमाशुल्क संबंधी आंकड़े

v ई सी द्वारा लगाए गए पाटनरोधी शुल्क से चीन के उत्पादकों द्वारा मुक्त रूप से निपटान याग्य क्षमताओं के अत्यधिक सृजन को बढ़ावा मिला है।

vi पाया गया है कि चीन के उत्पादक वियतनाम के जरिए पाटनरोधी शुल्क के निवारण में शामिल हैं। पाटनरोधी शुल्कों के निवारण की पुष्टि करते हुए ई सी द्वारा अधिसूचित अंतिम जांच परिणाम की एक प्रति संलग्न है।

vii आयातों के पहुँच मूल्य से घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में कटौती होती है और पाटनरोधी शुल्क की संभावित वापसी से अत्यधिक कीमत कटौती होने की संभावना है।

viii अतः आयात उन कीमतों पर होंगे जो घरेलू कीमतों पर अत्यधिक दबाव अथवा हासकारी प्रभाव डालने वाले होंगे और इससे आगे होने वाले आयातों हेतु मांग में वृद्धि होने की संभावना होगी। यदि शुल्क समाप्त कर दिया जाता है तो आयातों की पहुँच कीमत न केवल घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से कम होगी बल्कि घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत से भी कम होगी।

ix यह स्पष्ट है कि शुल्क की संभावित समाप्ति से घरेलू उद्योग पर अत्यधिक प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। घरेलू उद्योग को बड़े वित्तीय घाटों, नकारात्मक नकद प्रवाह तथा लगाई गई अत्यधिक नकारात्मक पूंजी का सामना करने के लिए बाध्य होना पड़ेगा।

x. पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के पूर्व एवं पश्चात चीन से आयात की मात्रा में अत्यधिक अंतर और वर्तमान जांच अवधि के दौरान आयात में वृद्धि से शुल्क को समाप्त किए जाने पर आयात में अत्यधिक वृद्धि की सम्भावना का स्पष्ट संकेत मिलता है जिसे नीचे दी गई तालिका में देखा जा सकता है:-

	आयात की मात्रा (मी. टन)	पिछले वर्ष की तुलना में आयात की मात्रा में परिवर्तन
2000-01	3299	
2001-02	510	15.46%
2002-03	459	90.00%

2003-04	345	75.16%
2004-05	139	40.29%
जन.-दिस., 2005	771	554.68%

यह देखा जा सकता है कि -

(क) पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से आयातों में अत्यधिक गिरावट आई थी;

(ख) शुल्क भुगतान किए गए आयातों के अत्यधिक आकर्षक होने के साथ ही वर्तमान जांच अवधि के दौरान आयातों में अत्यधिक वृद्धि हुई है।

xi पाटनरोधी शुल्क को समाप्त किए जाने की स्थिति में घरेलू उद्योग को क्षति पुनः प्रारंभ हो जाएगी।

उ.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

28. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग को आर्थिक नीति के संबंध में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दिए गए विभिन्न तर्कों को नोट किया है। प्राधिकारी ने सभी उत्पादकों के लिए सूचना/आंकड़े प्रदान करने के लिए एसोसिएशन को लिखा था ताकि रिलायंस उद्योग प्रा. लि. बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी (सिविल सं. 1294/2001) के मामले में उच्चतम न्यायालय के निर्णय को ध्यान में रखते हुए सभी उत्पादकों के लिए क्षति विश्लेषण किया जा सके। एसोसिएशन ने यह उल्लेख करते हुए सूचना प्रदान नहीं की कि उन्होंने नियमानुसार आंकड़े प्रदान कर दिए हैं। अन्य स्रोतों से आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं क्योंकि उत्पादक लघु इकाइयाँ हैं, इसलिए उपलब्ध सूचना के आधार पर विश्लेषण किया गया है। एसोसिएशन द्वारा सभी उत्पादकों के लिए उत्पादन आंकड़े उपलब्ध कराए गए हैं। इन आंकड़ों को माँग के आकलन तथा अन्य विश्लेषणों के प्रयोजनार्थ मापदण्ड माना गया है।

29. जांच अवधि के दौरान वर्तमान क्षति के आकलन के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के मात्रात्मक एवं कीमत प्रभाव की जांच की है। चीन जन. गण. के लिए पाटन मार्जिन का निर्धारण किया गया है। क्षति एवं कारणात्मक विश्लेषण के लिए चीन जन. गण. से समस्त आयातों को पाटित आयात माना गया है।

माँग एवं बाजार हिस्से का आकलन

30. घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निवेदनों के आधार पर यह नोट किया गया है कि अधिकांश उत्पादकों के लघु उत्पादक होने के कारण भारत में माँग एवं खपत के संबंध में कोई प्रकाशित सूचना उपलब्ध नहीं है। इस दृष्टि से, आवेदक को सूचना/आंकड़ों तथा एसोसिएशन द्वारा प्रस्तुत सूचना के आधार पर उत्पादन का निर्धारण किया गया है। इस प्रकार आकलित माँग को नीचे दी गई तालिका में दर्शाया गया है :-

	इकाई	2002-03	2003-04	2004-05	जांच अवधि
घरेलू उद्योग की विक्रियां	मी. टन	16,582	18,596	18,255	19,480
अन्य उत्पादकों की विक्री	मी. टन	31,903	32,143	33,659	33,371
समग्र घरेलू उद्योग	मी. टन	48,484	50,739	51,914	52,851
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	104.65	107.07	109.01

घरेलू उद्योग का उत्पादन	मी. टन	20,282	23,538	23,926	23,532
अन्य उत्पादकों का उत्पादन	मी. टन	31,903	32,143	33,659	33,371
समग्र भारतीय उत्पादन	मी. टन	52,185	55,682	57,585	56,903
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	106.70	110.35	109.04
कुल आयात	मी. टन	1316	661	1086	2225
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	50.24	82.57	169.10
चीन	मी. टन	459	345	139	771
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	75.14	30.34	168.05
अन्य देश	मी. टन	857	316	947	1454
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	36.92	110.51	169.66
माँग	मी. टन	49,800	51,400	53,000	55,076
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	103.21	106.43	110.59

31. यह देखा गया है कि क्षति अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु की माँग में सकारात्मक रूख प्रदर्शित हुआ है। क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की बिक्रियों में सुधार हुआ है जो यह दर्शाता है कि घरेलू उद्योग पूर्ववर्ती पाटन के प्रभाव से उबर रहा है।

माँग में बाजार हिस्सा

32. निर्दिष्ट प्राधिकारी ने पाटित आयातों में वास्तविक एवं संभावित वृद्धि तथा माँग में घरेलू उद्योग के हिस्से पर इसके प्रभाव की जांच की है। संबद्ध देश से आयात की स्थिति तथा भारत में उत्पादन/खपत के संबंध में आयातों का हिस्सा निम्नानुसार है :-

आयात की मात्रा	इकाई	2002-03	2003-04	2004-05	जांच अवधि
चीन	MT	459	345	139	771
प्रवृत्ति	Indexed	100.00	75.14	30.34	168.05
अन्य देश	MT	857	316	947	1454
प्रवृत्ति	Indexed	100.00	36.92	110.51	169.66
कुल आयात	MT	1,316	661	1,086	2,225
प्रवृत्ति	Indexed	100.00	50.24	82.57	169.10

	इकाई	2002-03	2003-04	2004-05	जांच अवधि
माँग में बाजार हिस्सा					
घरेलू उद्योग	%	33.30	36.18	34.44	35.37
अन्य उत्पादक	%	64.06	62.54	63.51	60.59
चीन	%	0.92	0.67	0.26	1.40
अन्य देश	%	1.72	0.62	1.79	2.64
घरेलू उद्योग की बिक्रियों की तुलना में आयात (संबद्ध देश)	%	0.95	0.68	0.27	1.46
आयातों में बाजार हिस्सा					
आयातों में बाजार हिस्सा- संबद्ध देश	%	34.85	52.12	12.80	34.63
आयातों में बाजार हिस्सा- अन्य देश	%	65.15	47.88	87.20	65.37

33. यह नोट किया गया है कि कुल आयातों में चीन के पाटित आयातों का हिस्सा कमाबश एक समान बना रहा है और कुल माँग में चीन से पाटित आयातों का बाजार हिस्सा 0.92% से बढ़ कर जांच अवधि में 1.40% हो गया है। घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा वर्ष 2002-03 में 30.30% से बढ़ कर जांच अवधि के दौरान 35.37% हो गया है। उसी अवधि के दौरान अन्य उत्पादकों का बाजार हिस्सा 64.06% से घट कर 60.59% हो गया है।

उत्पादन एवं बिक्रियां

34. क्षति अवधि में वास्तविक क्षमता, उत्पादन, क्षमता उपयोग तथा बिक्री मात्रा के संबंध में घरेलू उद्योग की स्थिति निम्नानुसार रही है : -

	इकाई	2002-03	2003-04	2004-05	जांच अवधि
घरेलू उद्योग की क्षमता	मी. टन	27,200	27,200	30,800	30,800
घरेलू उद्योग का क्षमता उपयोग	मी. टन	74.57	86.54	77.68	76.40
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	116.06	104.18	102.46
घरेलू उद्योग का उत्पादन	मी. टन	20,282	23,538	23,926	23,532
अन्य उत्पादकों का उत्पादन	मी. टन	31,903	32,143	33,659	33,371
समग्र भारतीय उत्पादन	मी. टन	52,185	55,682	57,585	56,903
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	106.70	110.35	109.04
समग्र घरेलू उद्योग की बिक्रियां	मी. टन	48,484	50,739	51,914	52,851
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	104.65	107.07	109.01
निर्यात बिक्री	मी. टन	3772	4607	5953	4556
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	122	158	121

35. यह नोट किया गया है कि क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के उत्पादन, क्षमता उपयोग तथा बिक्री ने सकारात्मक प्रवृत्ति दर्शाई है। बिक्री में वृद्धि की प्रतिक्रिया स्वरूप घरेलू उद्योग के उत्पादन में वृद्धि हुई है। आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान उत्पादन तथा बिक्री में 9% की वृद्धि हुई है। इसी अवधि के दौरान माँग में 11% वृद्धि हुई है।

कीमत प्रभाव

36. कीमत पर पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में नियमों के अनुबंध II (ii) में निम्नानुसार निर्धारण किया गया है : -

नियम 18 के उप नियम (2) में यथाउल्लिखित कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में प्राधिकारी द्वारा इस बात पर विचार किया जाएगा कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पाटित आयातों से अत्यधिक कीमत कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों का प्रभाव अन्यथा कीमतों में अत्यधिक हास करमा या कीमत वृद्धि, जो अन्यथा पर्याप्त मात्रा में हुई होती, को रोकना है।

37. किसी निर्णायक समीक्षा जांच में यह जांच करना अपेक्षित होता है कि क्या भारत में समान उत्पादन की कीमत की तुलना में पाटित आयातों का अत्यधिक कीमत प्रभाव पड़ा है अथवा पाटित आयातों को

समाप्त किए जाने की स्थिति में प्रतिकूल कीमत प्रभाव होने की संभावना है। यह नोट किया गया है कि जांच अवधि के दौरान पाटनरोधी शुल्क के बिना कीमत कटौती बहुत अधिक थी।

	इकाई	चीन
घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति	रु./मी. टन	***
पाटनरोधी शुल्क के बिना पहुँच मूल्य	रु./मी. टन	44,155
कीमत कटौती की राशि	रु./मी. टन	***
कीमत कटौती की रेज	%	25-35

38. करों एवं शुल्कों, रियायतों, छूटों तथा भाड़ा एवं परिवहन को छोड़ कर बिक्री कीमत पर विचार करते हुए घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति का निर्धारण किया गया है। इस प्रयोजनार्थ घरेलू उद्योग की समग्र बिक्री मात्रा पर विचार किया गया है। 1% उत्तराई प्रभार तथा अनुप्रयोज्य मूलभूत सीमाशुल्क सहित भारित औसत सीआईएफ आयात कीमत पर विचार करते हुए आयातों की पहुँच कीमत का निर्धारण किया गया है। निवल बिक्री प्राप्ति और संबद्ध वस्तु के लिए आयातों की पहुँच कीमत की तुलना की गई है। जांचाधीन अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु के लिए पाटिट आयातों के भारित औसत पहुँच मूल्य और घरेलू बाजार में बिक्री कीमत की तुलना की गई थी। जांच अवधि के दौरान चीन से कीमत कटौती का मार्जिन 25% से 35% के बीच था।

कम कीमत पर बिक्री

39. कम कीमत पर बिक्री का निर्धारण करने के प्रयोजनार्थ संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु की भारित औसत पाटिट कीमत की तुलना भारतीय उद्योग के लिए निर्धारित क्षतिरहित कीमत (एनआईपी) से की गई थी। पहुँच मूल्य के परिकलन के लिए संबद्ध देश से भारित औसत नियात कीमत में चीन जन. गण. से भाड़ा, बीमा, 1% उत्तराई प्रभार और मूलभूत सीमाशुल्क को जोड़ा गया था। जांच अवधि के दौरान कम कीमत पर बिक्री क्षतिरहित कीमत के 25-35% के बीच थी।

घरेलू उद्योग से संबंधित अन्य आर्थिक मापदण्ड

उत्पादकता

40. घरेलू उद्योग की उत्पादकता (प्रति कर्मचारी उत्पादन) निम्नानुसार है :-

	इकाई	2002-03	2003-04	2004-05	जांच अवधि
प्रति कर्मचारी उत्पादकता	मी. टन/ सं.	66	71	73	79
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	107.87	112.07	120.55

41. आंकड़े दर्शाते हैं कि क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की उत्पादकता में सुधार हुआ है :-

लाभ, निवेश पर आय और नकद प्रवाह

42. घरेलू उद्योग के लाभ, निवेश पर आय और नकद प्रवाह की वर्तमान स्थिति की जांच की गई है और घरेलू उद्योग के इन मापदण्डों की स्थिति निम्नानुसार है :

	इकाई	2002-03	2003-04	2004-05	जांच अवधि
प्रति इकाई लाभ/घाटा	रु./मी. टन	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	279	227	288
व्याज एवं कर पूर्व लाभ	लाख रु.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	243.85	200.29	265.96
नकद लाभ	लाख रु.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	280	230	293
लगाई गई पूंजी पर आय- एनएफए आधार	%	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	204.61	151.03	176.00

43. आंकड़े दर्शाते हैं कि आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान लाभप्रदता में 188% वृद्धि हुई है । लाभ (एनबीटी) में भी समान प्रवृत्ति प्रदर्शित हुई है । उसी अवधि के दौरान उसमें 166% वृद्धि हुई । आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान नकद प्रवाह में 193% वृद्धि हुई । आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान लगाई गई पूंजी पर आय में 76% वृद्धि हुई ।

रोजगार एवं वेतन

44. घरेलू उद्योग के रोजगार एवं वेतन से संबंधित सूचना नीचे तालिका में दी गई है :-

	इकाई	2002-03	2003-04	2004-05	जांच अवधि
रोजगार	सं.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	108	105	96
वेतन	लाख रु.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	116	130	139

45. आंकड़े दर्शाते हैं कि आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान कर्मचारियों की संख्या में 4% गिरावट आई है । इसी अवधि के दौरान वेतन में 39% वृद्धि हुई है ।

वस्तु सूची

46. निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा घरेलू उद्योग के वस्तु सूची स्तर की जांच की गई है जिसे नीचे दी गई तालिका में दर्शाया गया है :-

	इकाई	2002-03	2003-04	2004-05	जांच अवधि
औसत वस्तु सूची	मी. टन	1643	1915	1974	2038
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	116.56	120.15	124.05
विक्री दिवसों की संख्या के रूप में सूची वस्तु	सं.	36.17	37.79	39.47	38.19
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	103.93	109.14	105.59

47. आंकड़ों से ज्ञात होता है कि घरेलू उद्योग के सामान सूची स्तर में क्षति अवधि के दौरान वृद्धि हुई है । विक्रय दिवसों के रूप में सामान सूची वर्ष 2002-03 में 36 से बढ़कर जांच अवधि में 38 दिवसें हो गई है ।

वृद्धि

48. घरेलू उद्योग से संबंधित विभिन्न आर्थिक मानदण्डों की जांच करने पर नोट किया गया कि घरेलू उद्योग के विभिन्न मानदण्डों में सकारात्मक प्रवृत्ति देखी गई। यह भी नोट किया गया है कि घरेलू उद्योग ने लाभ, नकद प्रवाह एवं नियोजित पूंजी से आय से संबंधित तथा क्षमता, बिक्री, उत्पादन, क्षमता उपयोग सहित विभिन्न मात्रात्मक मानदण्डों के कार्य निष्पादन में सुधार किया है।

पाटन की सीमा

49. यह नोट किया जाता है कि इस जांच समीक्षा में निर्धारित पाटन मार्जिन उल्लेखनीय है और पिछली जांच में निर्धारित पाटन मार्जिन भी अत्यधिक थी।

पूंजी तथा निवेश जुटाने की क्षमता

50. यह नोट किया जाता है कि क्षति की अवधि के दौरान घरेलू उद्योग ने सम्बद्ध वस्तुओं की क्षमता में वृद्धि की है।

पाटन मानदण्डों से संबंधित निष्कर्ष

51. आधार वर्ष अर्थात् 2002-03 की तुलना में जांच अवधि के दौरान सम्बद्ध वस्तुओं की मांग में 11% वृद्धि हुई। इसी अवधि में घरेलू उद्योग के उत्पादन, क्षमता उपयोग तथा बिक्री में भी वृद्धि हुई। घरेलू उद्योग तथा अन्य उत्पादकों का मांग में बाजार हिस्सा जो 2002-03 में 97.36% था, जांच अवधि के दौरान घटकर 95.96% रह गया। आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की लाभप्रदता, लाभ तथा निवेश से आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। क्षति मानदण्डों के आकलन से ज्ञात होता है कि पाटनराधी शुल्क लगाए जाने के बाद घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन में उल्लेखनीय सुधार हुआ है।

ड.4. अन्य ज्ञात कारक एवं कारणात्मक संबंध

52. प्राधिकारी द्वारा जांच की गई कि क्या अन्य सूचीबद्ध कारकों के कारण घरेलू उद्योग को क्षति हुई होगी अथवा होने की सम्भावना है।

अन्य स्रातों से आयातों की मात्रा एवं कीमतें

53. विभिन्न देशों से हुए आयातों का व्यौरा निम्नानुसार है :-

	इकाई	2002-03	2003-04	2004-05	जांच अवधि
आयातों की मात्रा					
चीन	मी. टन	459	345	139	771
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	75.14	30.34	168.05
अन्य देश	मी. टन	857	316	947	1454
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	36.92	110.51	169.66
कुल आयात	मी. टन	1,316	661	1,086	2,225
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100.00	50.24	82.57	169.10
आयातों में बाजार का हिस्सा					
चीन	%	34.85	52.12	12.80	34.63
अन्य देश	%	65.15	47.88	87.20	65.37

54. जांच अवधि के दौरान सम्बद्ध देशों से सम्बद्ध वस्तुओं के आयातों के साथ- साथ अन्य देशों से भी आयात किया गया है। अन्य स्रोतों से आयात 857 मी. टन से बढ़कर जांच अवधि में 1454 मी. टन हो गया। तथापि, अन्य देशों से आयात कीमत चीन से आयात कीमत की तुलना में अधिक थी।

मांग में संकुचन एवं/अथवा खपत के पैटर्न में परिवर्तन

55. उक्त अवधि के दौरान मांग निम्नानुसार थी :-

	इकाई	2002-03	2003-04	2004-05	जांच अवधि
मांग	MT	49,800	51,400	53,000	55,076
प्रवृत्ति	Indexed	100.00	103.21	106.43	110.59

56. जांच अवधि के दौरान विचाराधीन उत्पाद की घरेलू मांग में 11% वृद्धि हुई। यह नोट किया जाता है कि क्षति की समस्त अवधि में मांग में निरंतर वृद्धि हुई है। अतः मांग में सम्भावित संकुचन वह कारक नहीं है, जिससे घरेलू उद्योग को क्षति हुई होगी।

विदेशी एवं घरेलू उत्पादकों की व्यापार प्रतिबंधात्मक पद्धतियां एवं उनके बीच प्रतिस्पर्धा

57. सम्बद्ध वस्तुएं मुक्त रूप से आयात योग्य हैं और जांच की प्रक्रिया के दौरान घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचाने वाली व्यापार प्रतिबंधात्मक पद्धतियों का कोई साक्ष्य नहीं पाया गया।

प्रौद्योगिकी विकास एवं निर्यात कार्य निष्पादन

58. ऐसा कोई साक्ष्य नहीं पाया गया, जिससे यह प्रतीत होता हो कि घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण प्रौद्योगिकी विकास अथवा निर्यात कार्य निष्पादन है।

घरेलू उद्योग की उत्पादकता

59. जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की उत्पादकता सकारात्मक रही है, अतः यह घरेलू उद्योग को सम्भावित क्षति का कारण प्रतीत नहीं होती।

छ.5. क्षति की निरन्तरता अथवा पुनरावृत्ति की सम्भावना

60. घरेलू उद्योग ने तर्क प्रस्तुत किया है कि निर्णायक समीक्षा में यह जांच करने की अपेक्षा की जाती है कि क्या पाटनरोधी शुल्क वापस ले लिए जाने से घरेलू उद्योग को क्षति निरन्तर होने अथवा क्षति की पुनरावृत्ति होने की सम्भावना है। प्राधिकारी ने यह निर्धारित किया है कि सम्बद्ध वस्तुओं का भारतीय बाजार में प्रवेश पाटित कीमतों पर निरंतर हो रहा है और यदि पाटनरोधी शुल्क वापस ले लिए जाते हैं तो चीन से पाटित कीमतों पर इनका निर्यात निरन्तर होते रहने की सम्भावना है। यह जांच करना जरूरी है कि क्या पाटित आयातों के कारण, शुल्क हटा लेने पर भी घरेलू उद्योग को क्षति निरन्तर होते रहने की सम्भावना है। यह पहले ही सिद्ध किया जा चुका है कि पाटनरोधी शुल्क के बिना चीन से आयातों के वास्तविक पहुंच मूल्य घरेलू उद्योग के लिए निर्धारित क्षति रहित कीमत से कम धे।

61. क्षति की निरन्तरता अथवा उसकी पुनरावृत्ति होने की सम्भावना की जांच हेतु निर्धारित मानदण्डों के अभाव में प्राधिकारी द्वारा नियमावली के अनुबंध II (vii) के अनुसरण में वास्तविक क्षति से संबंधित मानदण्डों, जिन्हें निम्नानुसार उद्धृत किया गया है, पर विचार किया गया :

वास्तविक क्षति के खतरे का निर्धारण तथ्यों के आधार पर किया जाएगा और न की केवल आरोप, कल्पना अथवा परोक्ष संभावना के आधार पर । परिस्थितियों में होने वाले परिवर्तन के परिणामस्वरूप उत्पन्न होने वाली ऐसी किसी स्थिति का स्पष्ट तौर पर अनुमान लगाया जाना चाहिए और ऐसी स्थिति आसन्नवर्ती होनी चाहिए जिसमें पाटन से क्षति पहुंचेगी । वास्तविक क्षति के खतरे की मौजूदगी के संबंध में आकलन करने के लिए निर्दिष्ट प्राधिकारी अन्य बातों के साथ- साथ निम्नलिखित कारकों पर ध्यान करेगा : -

(क) भारत में पाटित आयातों की अत्यधिक वृद्धि पर जो पर्याप्त रूप से बढ़े हुए आयातों की संभावना को दर्शाती हो;

(ख) निर्यातक के पास मुक्त रूप से निपटान योग्य पर्याप्त क्षमता या उसकी क्षमता में आसन्नवर्ती वृद्धि जो किन्हीं अतिरिक्त निर्यातों को समाविष्ट करने के लिए अन्य निर्यात बाजारों की उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए भारतीय बाजार में पर्याप्त रूप से बढ़े हुए पाटित निर्यातों की संभावना को प्रदर्शित करती हो ।

(ग) क्या आयात ऐसी कीमतों पर किए जा रहे हैं जिनसे घरेलू कीमतों पर पर्याप्त न्यूनकारी या हासकारी प्रभाव पड़ेगा तथा इससे आगे और आयातों की मांग में वृद्धि की संभावना बनेगी; और

(घ) वस्तुओं के स्टॉक की जांच की जा रही है ।

62. घरेलू उद्योग ने तर्क प्रस्तुत किया है कि चीन के निर्यातकों ने भारतीय बाजार में पाटित कीमतों पर सम्बद्ध वस्तुओं का निरस्तर निर्यात किया और सम्बद्ध देशों के पास उपलब्ध बेशी क्षमताओं और बेशी मात्रा के कारण चीन के उत्पादकों द्वारा भी भारतीय बाजार में सम्बद्ध वस्तुओं का पाटन किए जाने की सम्भावना है । घरेलू उद्योग ने बास- बार इस बात पर बल दिया है कि घरेलू और आयातित उत्पादों की कीमत में अन्तर इतना अधिक है कि यह मानने का कोई कारण नहीं कि पाटनरोधी शुल्क वापस ले लिए जाने की स्थिति में और खास तौर से तब, जब विदेशी उत्पादकों के पास मुक्त रूप से निपटानयोग्य क्षमता मौजूद है, चीन सम्बद्ध वस्तुओं को भारी मात्रा में भारतीय बाजार में नहीं भेजेगा ।

उ.६. प्राधिकारी द्वारा जांच

63. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के बाद घरेलू उद्योग के वित्तीय कार्य निष्पादन में उत्स्थाननीय सुधार हुआ है । इसी प्रकार, आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के उत्पादन, क्षमता उपयोग तथा विक्री में भी सुधार हुआ है । इसी प्रकार पाटनरोधी शुल्क जारी रहने के कारण जांच अवधि के दौरान लाभप्रदता, लाभ तथा नियोजित पूँजी के आय में भी वृद्धि हुई है ।

64. प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि सम्बद्ध देशों से पाइल कीमतों पर आयात निरस्तर हो रहे हैं । जांच अवधि के दौरान पाटनरोधी शुल्क रहने के बावजूद कीमत कटौती और कीमत अवमूल्यन 25-35% रही । तथापि, यह देखा गया है कि वर्ष 2000-01 में हुए आयातों की तुलना में सम्बद्ध देशों से वर्ष 2001-02 से 2004-05 तथा जांच अवधि के दौरान आयातों में उत्स्थाननीय गिरावट आई और यह 15 से 28% की रही ।

65. उपर्युक्त के महेनजर प्राधिकार का यह अस्तित्व है कि पाटनरोधी शुल्क वापस ले लिए जाने की स्थिति में सम्बद्ध देशों से पाटित सामग्री में भारी वृद्धि होगी और कीमत कटौती को देखते हुए घरेलू उद्योग की निवाल विक्री कीमत पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा । इसके परिणामस्वरूप लाभप्रदता, लाभ तथा नियोजित से आय पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा । अतः प्राधिकारी का अभिमत है कि पाटनरोधी शुल्क वापस ले लिए जाने की स्थिति में घरेलू उद्योग को क्षति निरंतर होते रहने की सम्भावना है ।

च. निष्कर्ष

66. हितबद्ध पक्षों द्वारा उठाए गए मुद्दों, प्रदत्त सूचना तथा किए गए प्रस्तुतीकरण और प्राधिकारी के समक्ष हितबद्ध पक्षों के प्रस्तुतीकरण के माध्यम से अथवा अन्यथा उपलब्ध तथ्यों, जिन्हें उक्त जांच परिणाम में रिकार्ड किया गया है, के आधार पर एवं वर्तमान व सम्भावित पाटन तथा क्षति की स्थिति और पाटन व क्षति की निरंतरता एवं पुनरावृत्ति की सम्भावना के उपर्युक्त विश्लेषण के आधार पर प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि -

- (i) सम्बद्ध वस्तुएं पाटित कीमतों पर भारतीय बाजार में प्रवेश कर रही हैं और सम्बद्ध देशों की पाटन मार्जिन अत्यधिक व न्यूनतम से अधिक है। यदि वर्तमान उपाय वापस ले लिए जाते हैं, तो पाटित कीमतों पर सम्बद्ध वस्तुओं के भारतीय बाजार में प्रविष्ट होने की सम्भावना है।
- (ii) यद्यपि क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग ने अपन कार्य निष्पादन में सुधार किया है, तथापि वर्तमान उपाय वापस ले लिए जाने की स्थिति में घरेलू उद्योग को क्षति निरन्तर होने अथवा क्षति की पुनरावृत्ति की संभावना है।

67. यह निष्कर्ष निकालने के बाद कि पाटनरोधी शुल्क लागू रहने के कारण घरेलू उद्योग की स्थिति में सुधार हुआ है, यदि पाटनरोधी शुल्क वापस ले लिया जाता ह तो सम्बद्ध देशों से आयातों के कारण पाटन तथा क्षति निरन्तर होने और इसकी पुनरावृत्ति होने की सम्भावना है, अतः प्राधिकारी का अभिमत है कि चीन जन. गण. से आयातों पर पाटनरोधी उपाय जारी रखना जरूरी है।

68. घरेलू उद्योग की क्षति दूर करने के उद्देश्य से प्राधिकारी सम्बद्ध देश से सम्बद्ध वस्तुओं के सभी आयातों पर पाटनरोधी शुल्क जारी रखना आवश्यक समझते हैं। प्राधिकारी पाटनरोधी शुल्क के रूप में पाटन की मार्जिन के बराबर अथवा उससे कम राशि संस्तुत करते हैं, जिसे लगाए जाने पर घरेलू उद्योग की क्षति दूर हो जाएगी। क्षति निर्धारण के प्रयोजनार्थ जांच अवधि हेतु घरेलू उद्योग के लिए निर्धारित भारित औसत क्षति रहित कीमत की तुलना आयातों के पहुंच मूल्य से की गई है।

छ. सिफारिशें

69. संबद्ध वस्तु के आयातों पर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाना आवश्यक समझा जाता है। तदनुसार प्राधिकारी जिक आक्साइड के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं।

70. पाटन मार्जिन के बराबर पाटनरोधी शुल्क की राशि की सिफारिश करने का निर्णय लिया गया है जिसे यदि वसूल किया जाएगा तो उससे घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त हो जाएगी। आयातों के पहुंच मूल्य की तुलना जांच अवधि के लिए निर्धारित घरेलू उद्योग की क्षतिरहित कीमत के साथ भी की गई थी। इस मामले में पाटन मार्जिन क्षति मर्जिन से कम है और तदनुसार संबद्ध देश के मूल के या वहाँ से निर्धारित संबद्ध वस्तु के सभी आयातों पर केन्द्र सरकार द्वारा निम्नलिखित तालिका के कॉलम-8 में उल्लिखित राशि के बराबर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की सिफारिश जाती है।

शुल्क तालिका

क्र.सं.	उप-शीर्ष या टैरिफ मद	वस्तु विवरण	उद्गम का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	निर्यातक	राशि	माप की इकाई	मुद्रा
1.	28170010, 38123030	99.5% की शुद्धता वाले जिंक आक्साइड के सभी ग्रेड	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	कोई	कोई	430.93	मी.टन	अम. डा.
2.	वही	वही	चीन जन.गण.	चीन जन.गण. से भिन्न कोई देश	कोई	कोई	430.93	मी.टन	अम. डा.
3.	वही	वही	चीन जन.गण. से भिन्न कोई देश	चीन जन.गण.	कोई	कोई	430.93	मी.टन	अम. डा.

71. उपर्युक्त शुल्क 99.5% शुद्धता वाले जिंक आक्साइड पर लगाया जाएगा । यदि संबद्ध देश से कम अंतर्वस्तु/शुद्धता वाली संबद्ध वस्तु का निर्यात किया जाता है तो पाटनसेधी शुल्क आनुपातिक रूप से भिन्न-भिन्न होगा ।

72. इस प्रयोजनार्थ आयातों का पहुँच मूल्य सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 के अंतर्गत सीमाशुल्क द्वारा यथाओंकलित निर्धारणीय मूल्य होगा और उसमें सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की धारा -3, 3क, 8ख, 9 और 9क के अंतर्गत लगाए गए शुल्कों को छोड़कर सभी सीमाशुल्क शामिल होंगे ।

73. प्राधिकारी अधिनियम के संगत उपबंधों और इस संबंध में समय-समय पर जारी सार्वजनिक सूचनाओं के अनुसार इसमें समय-समय पर यथासंस्तुत निश्चयात्मक उपायों को जारी रखने, उनमें संशोधन करने या उन्हें समाप्त करने की जरूरत की समीक्षा कर सकते हैं । प्राधिकारी द्वारा सामान्यतः ऐसी किसी समीक्षा हेतु कोई अनुरोध तब तक स्वीकार नहीं किया जाएगा तब तक की उसे इस प्रयोजनार्थ निर्धारित समय-सीमा के भीतर किसी हितबद्ध पक्षकार द्वारा दायर न किया गया हो ।

74. इस आदेश के खिलाफ कोई अपील वर्ष 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और सीमाशुल्क टैरिफ नियम, 1995 के अनुसार सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण में दायर की जा सकेगी ।

क्रिस्टी एल. फर्नान्डेज, विशिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

NOTIFICATION

New Delhi, the 4th April, 2007

Final Findings

Subject: Anti-dumping Sunset Review Investigation concerning imports of Zinc Oxide originating in or exported from China PR.

No. 15/4/2005-DGAD.—Having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 (hereinafter referred to as Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Duty or Additional Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 (hereinafter referred to as Rules);

A. Background

2. Whereas, having regard to above Rules the Designated Authority (hereinafter referred to as Authority) initiated an antidumping investigation on 08.12.2000 into alleged dumping of Zinc Oxide originating in or exported from China PR and provisional antidumping duty was imposed on imports of Zinc Oxide from China PR, vide customs notification dated 09.04.2001 on the basis of the preliminary findings of the Authority dated 05.03.2001. The final findings of the Authority were notified, vide notification dated 05.10.2001 and the Department of Revenue imposed definitive anti dumping duties on the subject goods, imported from China PR, vide notification dated 02.11.2001.

3. On the basis of a duly substantiated application filed by the Domestic Industry in terms of Section 9A(5) of the said Act, requesting for continuation of the duty for a period of another five years, the Designated Authority initiated a sunset review proceedings against the said measure vide notification dated 07.04.2006, to examine whether expiry of the duty would lead to continuation or recurrence of dumping and/or injury. Investigation was carried out for the period starting from Jan 2005 – Dec 2005 (POI). However, injury examination was conducted for a period from 2002-03 onwards including POI.

4. The procedure described below has been followed with regard to the investigation:

i) The Designated Authority (hereinafter referred to as Authority), under the above Rules, received an application on behalf of the domestic industry, requesting initiation of sunset review investigation for review, continuation and enhancement of anti dumping duties concerning imports of Zinc Oxide (hereinafter referred as subject

goods) originating in or exported from China PR (hereinafter referred to as subject country).

ii) The information provided by the applicant showed sufficient *prima facie* justification that there was a need for sunset review of anti-dumping duties earlier imposed. On being satisfied, the Authority issued a public notice dated 07.04.2006 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating anti-dumping sunset review investigation concerning imports of the subject goods classified under Chapter 28 of Schedule I of the Customs Tariff Act, 1975 originating in or exported from China PR.

iii) The Authority forwarded a copy of the public notice along with exporter's questionnaires and questionnaires on market economy treatment to the known exporters in the subject country and gave them opportunity to provide relevant information and make their views known in writing within forty days from the date of the letter in accordance with the Rule 6(2).

iv) The Authority forwarded a copy of the public notice to all the known importers and consumers of subject goods in India and advised them to provide relevant information and make their views known in writing within forty days from the date of issue of the letter in accordance with the Rule 6(2).

v) Request was made to the Director General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S), Kolkata to provide details of imports of subject goods made in India for the period of investigation and preceding three years.

vi) The Authority provided copies of the non-confidential version of the application to the known exporters and the Embassy of the subject country in accordance with Rules 6(3) supra. A copy of the non-confidential application was also provided to other interested parties, wherever requested.

vii) The Authority held a public hearing on 22nd August 2006 to provide an opportunity to the interested parties to present relevant information orally. None of the interested parties except the domestic industry attended the oral hearing. The parties attending the public hearing were advised to file written submissions of the information presented orally. Designated Authority has considered these written submissions received from interested parties.

viii) Arguments raised and information/evidence provided by interested parties during the course of the investigation, to that extent the same are supported with evidence and considered relevant to the present investigation, have been appropriately considered by the Authority.

ix) The Authority during the course of investigation satisfied itself as to the accuracy of the information supplied by interested parties upon which these findings are based. For that purpose, the Authority conducted on-the-spot verification of the domestic industry to the extent considered relevant and necessary. Additional/supplementary details regarding injury were sought from the domestic industry, which were also received.

x) In accordance with Rule 16 of the Rules supra, the essential facts/basis considered for these findings were disclosed to known interested parties and comments received on the same have been considered in the Final Findings.

xi) The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties through a public file maintained by the Authority and kept open for inspection by the interested parties as per Rule 6(7).

xii) Cost investigations were conducted to work out optimum cost of production and cost to make and sell the subject goods in India on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) and the information furnished by the applicant so as to ascertain if anti-dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to the domestic industry.

xiii) ****In this notification represents information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules on merits.

xvi) Investigation was carried out for the period starting from 1st January 2005 – 31st December 2005 and has been referred to as the period of investigation (POI). The examination of trends in the context of injury analysis covered for the periods 2002-03, 2003-04, 2004-05 and the POI.

B. PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND LIKE ARTICLE

B.1 VIEWS OF THE INTERESTED PARTIES

5. Domestic industry has submitted that the present review investigation is a sunset review investigation. The product involved in the original investigation and in the present sunset review investigation is Zinc Oxide. The product under consideration in the present sunset review should remain the same as the original investigations, as the present investigations are only review of the anti-dumping duty. It is further argued that Zinc Oxide produced by the domestic industry and imported from China are like product. They have submitted that the scope of the product under consideration and like article is not required to be examined in the sunset review. It is covered under two different customs classification - Zinc Oxide is an inorganic chemical classified under Chapter 28 and Chapter 38 of the Customs Tariff Act. The domestic industry has submitted that duty should be recommended on both the classifications.

B.2 EXAMINATION BY THE AUTHORITY

6. The product under consideration in the present investigation is Zinc Oxide of all grades as was in the original investigation. It is classified under custom sub-headings 2817 of Chapter 28 and 3812 Chapter 38 of Schedule I of the Customs Tariff Act, 1975. The classification is indicative only and is in no way binding on the scope of the present investigation.

7. Zinc Oxide is a white/off white powder with chemical formula ZnO. It is used in manufacturer of automobile tyres, rubber goods, high purity zinc chemicals, such as sulphate, chloride etc. It is also used as a raw material in ceramic industry and a supplement in animal feed formulations.

8. The goods manufactured by domestic industry and exported from the subject country are identical and technically, commercially substitutable, therefore, the

Authority holds that subject goods produced by the domestic industry are like articles, as per Rule 2(d) of rules Supra, to the product under consideration.

C. DOMESTIC INDUSTRY

C.1 VIEW OF THE DOMESTIC INDUSTRY

9. The domestic industry has submitted that there is no published information available with regard to production of zinc oxide in the country. At the time of original investigation also, Designated Authority had determined production of zinc oxide in India by assessing consumption of raw material required, i.e. Zinc for production of zinc oxide and consumption of zinc oxide by the consumer segment. Petitioner has adopted the same methodology for determination of Indian production of Zinc Oxide in this review investigation also as held by the Authority in the original investigation. Additionally, the association of the Indian Producers has provided company wise details of production of the subject goods by various Indian Producers. They have submitted that production of participating companies account for a major proportion of total Indian production. Participating companies therefore, constitute domestic industry within the meaning of the Rules.

C.2 EXAMINATION BY THE AUTHORITY

10. It is noted the submissions of the domestic industry regarding scope of domestic industry and also the information filed by association of zinc oxide producers regarding the names of various producers and their production. Based on the information of the association it is noted that the Indian production of Zinc Oxide has been assessed as 56903 MT in the period of investigation. The following Indian Producers have filed the costing and injury information in the prescribed proforma,

- i. Transpek Silox Industry Limited
- ii. Demosha Chemicals Limited (Western India Industries)
- iii. Zincolied India
- iv. J G Chemicals
- v. Metalco
- vi. Rubamin Limited

It is noted that the production of applicant companies account for 41% of total Indian production and constitute domestic industry within the meaning of the Rules.

D. DUMPING AND LIKELIHOOD OF CONTINUATION OF DUMPING

D.1 VIEW OF THE DOMESTIC INDUSTRY

11. Domestic industry has submitted that

- (i) the imports of Zinc Oxide has declined with the imposition of anti dumping duties but in case of revocation of anti dumping duty there would be likelihood and recurrence of intensified dumping. The present volume of exports has been made at prices significantly below the assessed normal value. There are significant exports of subject product from the subject country to world over at dumping prices. The Chinese producers have been exporting at dumped prices, therefore, decline in

import volumes during the period of the anti dumping duty can not be considered sufficient to allow expiry of the existing duties.

(ii) In order to examine whether expiry of the duty will allow the exporters from China to export the subject good to India once again at dumped prices, the Designated Authority should examine whether exports from country of exports to third countries are at dumped prices and how those export prices behave with (a) the import price from other sources in India; (b) selling price of the Indian Producers.

Volume of exports from China:

Year	EU		India		Other Countries		Total	
	Qty MT	Price US\$/MT	Qty MT	Price US\$/MT	Qty MT	Price US\$/MT	Qty MT	Price US\$/MT
2000-01	54018	747.90	3299	767.31	83400	724.82	140718	734.68
2001-02	24473	676.28	510	714.72	49685	738.23	74667	717.77
2002-03	30917	628.32	459	656.83	65285	655.05	96661	646.51
2003-04	28944	680.22	345	706.33	55988	734.77	85277	716.14
2004-05	12798	895.40	139	944.28	54118	969.85	67055	955.59
Jan-Dec, 2005	2573	1035	771	804	58614	1121	61958	1114

12. It would be seen that Chinese exports to EU have significantly declined after imposition of anti dumping duties. Domestic industry has also submitted that EU had extended anti dumping duties on imports of Zinc Oxide of Chinese origin from Vietnam and it was also found by the EU that the Chinese producers resorted to circumvention of anti dumping duties by exporting ZnO mixed with silica. It has been submitted that producers in China are having significant production capacity, whereas demand of product is significantly lower. They further submitted a market research paper on Zinc Oxide stating that the Chinese capacity for production of the subject goods is around 3260000 MT whereas the domestic demand is in the region of 496700 MT and exporting about 61000 MT materials, which shows huge production capacity remained unutilised with them.

(i) Zinc is a major input in the production of the product under consideration and its prices are governed by the prices declared by London Metal Exchange. As per information released by London Metal Exchange, prices of zinc moved very steeply during the proposed investigation period. The import information and movement of zinc prices shows that the export price from China in Oct.-Dec., 2005 did not increase proportionate to the increase in the cost of production on account of zinc. Even though the above was only in one quarter of the proposed investigation period, nevertheless, it is clearly indicative of the likely situation and the fact that the Chinese producers can export the product at such prices that the same can have suppressing effect on the prices of the domestic industry and no correlation was found between the zinc prices and ZnO import prices.

(ii) Mining of Zinc and its price movement is under control of Govt. in China. Further, Chinese Govt. is resorting to ad hoc control over pricing of zinc by imposing export duties on zinc. As per Accession Treaty the Govt. of China has imposed export duty on this product. Cost on account of zinc represents the majority of the direct

costs and total cost of production in production and sale of the ZnO. Therefore, any preferable or favourable pricing of Zinc would naturally result in unfair advantages to the Chinese producers, making it possible for them to dump the material in foreign markets.

D.2 EXAMINATION BY THE AUTHORITY

13. The Authority has noted various arguments made by the domestic industry on the methodology and practices adopted by various Authorities in their Sunset Reviews and the relevant WTO jurisprudence on the subject. The Authority notes that this being a sunset review investigation, it is required to determine continuation and likelihood of continuation and/or recurrence of dumping in the event of withdrawal of duty.

D.3 CONTINUATION OR RECURRENCE OF DUMPING

14. The Authority sent copies of the questionnaire to all the known exporters for the purpose of determination of normal value in accordance with Section 9A (1)(c). In addition to that, questionnaires on market economy status were also sent to them for rebutting the presumption of non-market economy as per para 8 (3) of Annexure 1 of the Anti-Dumping Rules. None of the exporters/producers from China PR filed any questionnaire response and cooperated in the investigation. In view of non cooperation, the Designated Authority has no option but to proceed on the basis of best information available on records under Rule 6(8) of AD Rules for non-cooperative exporter, which provides that

“In a case where an interested party refuses access to, or otherwise does not provide necessary information within a reasonable period, or significantly impedes the investigation, the designated authority may record its findings on the basis of the facts available to it and make such recommendations to the Central Government as it deems fit under such circumstances”.

Normal Value

15. In anti dumping investigations concerning imports from non market economy countries, normal value has to be determined in accordance with paragraphs 7 & 8 of the Annexure 1 of the AD Rules, which states as under:

Para 7. *In case of imports from non-market economy countries, normal value shall be determined on the basis of the price or constructed value in the market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India or where it is not possible, or on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted if necessary, to include a reasonable profit margin. An appropriate market economy third country shall be selected by the designated authority in a reasonable manner, keeping in view the level of development of the country concerned and the product in question, and due account shall be taken of any reliable information made available at the time of selection. Accounts shall be taken within time limits, where appropriate, of the investigation made in any similar matter in respect of any other market economy third country. The parties to the investigation shall be*

informed without any unreasonable delay the aforesaid selection of the market economy third country and shall be given a reasonable period of time to offer their comments.

Para 8. (1) The term "non-market economy country" means any country which the designated authority determines as not operating on market principles of cost or pricing structures, so that sales of merchandise in such country do not reflect the fair value of the merchandise, in accordance with the criteria specified in sub-paragraph (3).

(2) There shall be a presumption that any country that has been determined to be, or has been treated as, a non-market economy country for purposes of an anti-dumping investigation by the designated authority or by the competent authority of any WTO member country during the three year period preceding the investigation is a nonmarket economy country.

Provided, however, that the non-market economy country or the concerned firms from such country may rebut such a presumption by providing information and evidence to the designated authority that establishes that such country is not a non-market economy country on the basis of the criteria specified in sub-paragraph (3).

(3) The designated authority shall consider in each case the following criteria as to whether:

(a) the decisions of the concerned firms in such country regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output, sales and investment, are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values;

(b) the production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts;

(c) such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms, and

(d) the exchange rate conversions are carried out at the market rate.

Provided, however, that where it is shown by sufficient evidence in writing on the basis of the criteria specified in this paragraph that market conditions prevail for one or more such firms subject to anti-dumping investigations, the designated authority may

apply the principles set out in paragraphs 1 to 6 instead of the principles set out in paragraph 7 and in this paragraph".

(4) *Notwithstanding, anything contained in sub-paragraph (2), the designated authority may treat such country as market economy country which, on the basis of the latest detailed evaluation of relevant criteria, which includes the criteria specified in sub paragraph (3), has been, by publication of such evaluation in a public document, treated or determined to be treated as a market economy country for the purposes of anti dumping investigations, by a country which is a member of the World Trade Organization."*

16. It is noted that none of the Chinese exporters/producers have responded to the questionnaire nor submitted response to the market economy treatment questionnaire to rebut the presumption of non-market economy as per para 8(3) of Annexure 1 of Anti-Dumping Rules. In view of absence of cooperation and rebuttal regarding market economy treatment from the Chinese exporters/producers, the Authority has proceeded to determine normal value by treating exporters from China PR as working under non-market economy and determined normal value in accordance with para 7 of Annexure 1 to the Rules.

Normal Value

17. It is noted that applicant did not provide evidence of price or constructed value in a market economy third country. Prices from market economy third country to other countries are also not available. None of the any other interested party made claim nor submitted any evidence either with regard to price or constructed value in a market economy third country.

18. Under the circumstances, the Authority is left with the only option to construct the price 'on any other reasonable basis'. The Authority has relied on the prices, consumption norms of raw material, conversion cost and SGA of the efficient domestic producer. Profit @ 5% on the cost of production has been added to arrive at the constructed normal value. By adopting this method, normal value is calculated as US\$*** PMT.

Export Price

19. The Authority notes that the quantity of exports from China PR as per World Trade Atlas is significantly higher than what has been reported in the data of DGCI&S. The Authority, therefore, has not relied upon the imports data of DGCI&S for ascertaining the export price. For the purpose of export price, export data from the World Trade Atlas has been relied upon. To determine the ex-factory export price, adjustment on account of inland freight @ 1%, port expenses @ 0.50% and back charges @ 0.90% have been made. After making the adjustments, the ex-factory export price has been calculated as US\$ *** PMT.

Dumping Margin

20. Considering the normal value and export price as calculated above, dumping margin comes to US \$ *** per MT, which is 71.80% of export price.

LIKELIHOOD OF CONTINUATION OR RECURRENCE OF DUMPING

21. The Authority has noted the following:-

- (a) The dumping margin in the original investigations was 42.30%
- (b) Dumping margin determined in the present investigation is 71.8%, which is significant.
- (c) Based on the research paper on Zinc Oxide submitted, the Authority takes note of the following information:-

	In MT
Capacity in China	3260000
Chinese domestic demand	496700
Freely disposable surplus capacity	2763300

22. The Authority notes that in China PR there is a huge surplus capacity available on Zinc Oxide.

23. The Authority has taken note of the fact that the export from subject country was being affected at significant dumped prices during POI. It is further noted that after imposition of anti-dumping measures, the export of subject goods from subject country declined to 15.46% in 2001-02 as compared to 2000-01. The imports during POI was 23.37% as compared to 2000-01. It has also been noted that on the basis of export price during POI, the undercutting without factoring in anti-dumping duty was in the range of 25-35% of the weighted net selling price of the domestic industry. It has already been noted that there is a surplus capacity available with the subject country for the subject goods.

24. Keeping in view the above facts, particularly, the undercutting range of 25-35%, the Authority is of the view that there is a likelihood of surge of dumped imports in case of withdrawal of anti-dumping duty.

E. METHODOLOGY FOR INJURY DETERMINATION AND EXAMINATION OF INJURY AND CAUSAL LINK

25. It is noted that this being a sunset review of antidumping duty already in force, continuation of material injury to the domestic industry, as well as likelihood of continuation or recurrence of material injury needs to be examined in the context of actual or likely imports of the subject goods from subject country.

E.1 CONTINUATION OF INJURY

26. The Authority has examined the injury, if any, suffered by the domestic industry during the period of anti dumping duties were in force.

E.2 VIEW OF THE DOMESTIC INDUSTRY

27. Domestic industry submitted that:

- i. Performance of the domestic industry improved with the imposition of anti dumping duties and it is reflected in terms of improvements in production,

sales, capacity utilization, profits, profits in relation to costs, return on capital employed, cash profits, growth, etc.

- ii. The improvement in performance of the domestic industry with the imposition of anti dumping duties also establishes that the cause of injury to the domestic industry at the time of original investigations was due to dumped imports from China and Nepal.
- iii. The low volume of imports over the injury period is due to the fact that the price undercutting with anti dumping duty is negative and once the duties are revoked, the volume of imports would increase substantially.
- iv. With the imposition of anti dumping duties on China, their exports to Europe as well as India have significantly fallen,

Year	EU		India		Other Countries		Total	
	Qty MT	Price US\$/MT	Qty MT	Price US\$/MT	Qty MT	Price US\$/MT	Qty MT	Price US\$/MT
2000-01	54018	747.90	3299	767.31	83400	724.82	14071	734.68
2001-02	24473	676.28	510	714.72	49685	738.23	74667	717.77
2002-03	30917	628.32	459	656.83	65285	655.05	96661	646.51
2003-04	28944	680.22	345	706.33	55988	734.77	85277	716.14
2004-05	12798	895.40	139	944.28	54118	969.85	67055	955.59
Jan-Dec, 2005	2573	1035	771	804	58614	1121	61958	1114

Source – *China Customs data*

- v. Imposition of anti dumping duties by the EC has led to creation of significant freely disposable capacities with the Chinese producers.
- vi. Chinese producers have been found to be involved in circumvention of anti dumping duties through Vietnam. A copy of the final findings notified by the EC confirming circumvention of anti dumping duties is enclosed.
- vii. The landed price of imports undercut the selling price of domestic industry and possible revocation of anti dumping duty would lead to significant price undercutting.
- viii. The imports would thus enter at a price which would have significantly depressing or suppressing effect on domestic prices, and would likely increase demand for further imports. Should the duty be allowed to lapse, the landed price of imports would not be only below the selling price of the domestic industry, but also cost of production of the domestic industry.
- viii. It is evident that the effect of the possible revocation would have very significant adverse impact on the domestic industry. The domestic industry would be forced to face huge financial losses, negative cash flow and hugely negative capital employed.

ix. Significant changes in Chinese import volumes before and after imposition of anti dumping duties and increase in imports during the current POI clearly shows likelihood of substantial increase in imports with revocation of duty, as would be seen from the table below –

Import volumes MT	Change in import volumes vis-à-vis previous year
2000-01 3299	-
2001-02 510	15.46%
2002-03 459	90.00%
2003-04 345	75.16%
2004-05 139	40.29%
Jan-Dec, 2005 771	554.68%

It would be seen that –

- a) There was steep decline in the imports with the imposition of anti dumping duties;
- b) There is a steep increase in imports in the current investigation period with the duty paid imports becoming quite attractive.

x. The injury to the domestic industry would recur in the event of revocation of anti dumping duties.

E.3. EXAMINATION BY THE AUTHORITY

28. The Authority has taken note of various arguments raised by interested party with regard to the material injury to the domestic industry. The Authority had written to the Association to provide information/data for all the producers so that injury analysis could be done for all the producers keeping in view the judgment of Supreme Court in Reliance Industries Ltd. vs. the Designated Authority (Civil Appeal No.1294/2001). The association did not provide the information stating that they have provided data as per the Rules. Data from other sources are not available as producers are small scale units, therefore, analysis has been done on the basis of information available. The production data for all the producers have been provided by the Association. The same has been treated as sale for the purpose of assessing demand and other analysis.

29. For the purpose of assessing current injury in the period of investigation, the Authority has examined the volume and price effects of dumped imports on the domestic industry. The dumping margin has been established from China PR. Entire exports from China PR have been treated as dumped imports for the purpose of injury and causation analysis.

Assessment of demand and market share

30. It is noted based on the submissions made by the domestic industry that there is no published information available with regard to demand and consumption of product in India as most of the producers are small-scale producers. In view of this,

1075514

production has been determined based on the information/data of the applicant and the information filed by the Association. The demand so assessed is shown in the following table:-

	Unit	2002-03	2003-04	2004-05	POI
Sales of Domestic Industry	MT	16,582	18,596	18,255	19,480
Sale of Other Producers	MT	31,903	32,143	33,659	33,371
Total Domestic Industry	MT	48,484	50,739	51,914	52,851
Trend	Indexed	100.00	104.65	107.07	109.01
Production of Domestic industry	MT	20,282	23,538	23,926	23,532
Production of other producers	MT	31,903	32,143	33,659	33,371
Total Indian Production	MT	52,185	55,682	57,585	56,903
Trend	Indexed	100.00	106.70	110.35	109.04
Total Imports	MT	1316	661	1086	2225
Trend	Indexed	100.00	50.24	82.57	169.10
China	MT	459	345	139	771
Trend	Indexed	100.00	75.14	30.34	168.05
Other Countries	MT	857	316	947	1454
Trend	Indexed	100.00	36.92	110.51	169.66
Demand	MT	49,800	51,400	53,000	55,076
Trend	Indexed	100.00	103.21	106.43	110.59

31. It is seen that demand of the subject goods has shown a positive trend during the injury period. The sale of the domestic industry has improved during the injury period, which shows that the domestic industry is recovering from the effects of past dumping.

Market share in Demand

32. Designated Authority has examined actual and potential increase in dumped imports and its impact on market share of the domestic industry in demand. Status of imports from subject country and share of imports in relation to production/consumption in India is given in the table below:-

Imports volume	Unit	2002-03	2003-04	2004-05	POI
China	MT	459	345	139	771
Trend	Indexed	100.00	75.14	30.34	168.05
Other Countries	MT	857	316	947	1454
Trend	Indexed	100.00	36.92	110.51	169.66
Total imports	MT	1,316	661	1,086	2,225
Trend	Indexed	100.00	50.24	82.57	169.10

	Unit	2002-03	2003-04	2004-05	POI
Market share in Demand					
Domestic industry	%	33.30	36.18	34.44	35.37
Other producers	%	64.06	62.54	63.51	60.59
China	%	0.92	0.67	0.26	1.40
Other Countries	%	1.72	0.62	1.79	2.64
Imports (subject country) in	%	0.95	0.68	0.27	1.46

relation to sales of domestic industry					
Market share in imports					
Market share in imports – Subject Country	%	34.85	52.12	12.80	34.63
Market share in imports –Other Countries	%	65.15	47.88	87.20	65.37

33. It is noted that market share of dumped imports from China in total imports remained more or less same and the market share of dumped imports from China in total demand has increased from 0.92% to 1.40% during the POI. The market share of the domestic industry has increased from 30.30% in 2002-03 to 35.37% during POI. The share of other producers had fallen from 64.06% to 60.59% during the same period.

Production and Sales

34. Status of the domestic industry with regard to actual capacity, production, capacity utilization and sales volumes over the injury period has been as under:-

	Unit	2002-03	2003-04	2004-05	POI
Capacity of domestic industry	MT	27,200	27,200	30,800	30,800
Capacity Utilization of the domestic industry	MT	74.57	86.54	77.68	76.40
Trend	Indexed	100.00	116.06	104.18	102.46
Production of domestic industry	MT	20,282	23,538	23,926	23,532
Production of other producers	MT	31,903	32,143	33,659	33,371
Total Indian Production	MT	52,185	55,682	57,585	56,903
Trend	Indexed	100.00	106.70	110.35	109.04
Sales of Total domestic industry	MT	48,484	50,739	51,914	52,851
Trend	Indexed	100.00	104.65	107.07	109.01
Export Sales	MT	3772	4607	5953	4556
Trend	Indexed	100	122	158	121

35. It is noted that production, capacity utilization and sales of the domestic industry showed a positive trend during the injury period. Production of the domestic industry has increased in response to increase in sales. The production and sales have risen by 9% during POI as compared to base year. During the same period, the demand has risen by 11%.

Price Effect

36. With regard to the effect of the dumped imports on prices, Annexure II (ii) of the Rules lays down as follows-

"With regard to the effect of the dumped imports on prices as referred in sub-rule (2) of rule 18 the Designated Authority shall consider whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increase which otherwise would have occurred to a significant degree."

37. In a sunset review investigation, it is required to be examined whether there has been a significant price effect by the dumped imports as compared with the price of the like product in India, or whether there is likelihood of adverse price effect in case of revocation of anti dumping duty. It is noted that price undercutting without anti dumping duties was significant during the investigation period.

	Unit	China
Net Sales realization of Domestic industry	Rs. / MT	***
Landed Value without anti dumping duties	Rs. / MT	44,155
Price Undercutting amount	Rs. / MT	***
Price Undercutting range	%	25-35

38. The net sales realization of the domestic industry has been determined considering selling price, excluding taxes & duties, rebates, discounts and freight & transportation. Entire sales volumes of the domestic industry have been considered for this purpose. Landed price of imports has been determined considering weighted average CIF import price, with 1% landing charges and applicable basic customs duty. The comparison is done between net sales realization and landed price of imports for subject goods. A comparison for subject goods during the period under investigation was made between the weighted average landed value of dumped imports and the selling price in the domestic market. The undercutting margins from China during POI was in the range of 25 to 35%.

Underselling

39. For the purpose of ascertaining underselling, the weighted average landed price of the subject goods from the subject country was compared with the non-injurious price (NIP) determined for the Indian industry. For calculating landed value, freight from China PR, insurance, 1% landing charge and basic custom duty were added to the weighted average export price from the subject country. The underselling during POI was in the range of 25-35% of the NIP.

Other Economic parameters relating to the domestic industry

Productivity

40. Productivity (production per employee) of the domestic industry is given in the table below:-

	Unit	2002-03	2003-04	2004-05	POI
Productivity per employee	MT/No	66	71	73	79
Trend	Indexed	100.00	107.87	112.07	120.55

41. The data indicates that the productivity of the domestic industry improved during the injury period.

Profits, return on investment and cash flow

42. The present status of profits, return on investment and cash flow of the domestic industry has been examined and status of these parameters of the domestic industry has been as under:

	Unit	2002-03	2003-04	2004-05	POI
Profit/Loss per unit	Rs./MT	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	279	227	288
Profit before interest and tax	Rs. Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	243.85	200.29	265.96
Cash Profit	Rs./lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	280	230	293
Return on capital employed - NFA Basis	%	***	***	***	***
Trend	Indexed	100.00	204.61	151.03	176.00

43. The data indicates that profitability increased by 188% during POI as compared to the base year. Profit (PBIT) also shows similar trend. It increased by 166% during the same period. The cash profit increased by 193% during POI as compared to base year. Return on net capital employed increased by 76% during POI as compared to base year.

Employment and wages

44. Information regarding employment and wages of the domestic industry is given in the following table:

	Unit	2002-03	2003-04	2004-05	POI
Employment	No.	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	108	105	96
Wages	Rs. Lacs	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	116	130	139

45. Data shows that there is a decline in number of employees by 4% during POI as compared to base year. The wages has increased by 39% during the same period.

Inventories

46. Designated Authority has examined the inventory level of the domestic industry, which is given in the following table:-

	Unit	2002-03	2003-04	2004-05	POI
Average Inventory		1643	1915	1974	2038
Trend	Indexed	100.00	116.56	120.15	124.05
Inventory as No. of sale days	No.		37.79	39.47	38.19
Trend	Indexed	100.00	103.93	109.14	105.59

47. The data shows that the inventory level of the domestic industry has increased during the injury. The inventory as number of sale days increased from 36 in 2002-03 to 38 days during POI.

Growth

48. On examination of various economic parameters of the domestic industry, it is noted that various parameters of the domestic industry showed positive trend. It is further noted that the domestic industry has improved its performance with regard to profits, cash flow and return on capital employed as also various volume parameters including capacity, sales, production, capacity utilization.

Magnitude of dumping

49. It is noted that the dumping margin determined in this review investigation is significant and dumping margin determined in earlier investigation was also significant.

Ability to raise capital and investment

50. It is noted that the domestic industry has added capacity for the subject goods during the injury period.

Conclusion on Injury Parameters

51. During POI, the demand of subject goods grew by 11% as compared to base year i.e. 2002-03. The production, capacity utilization and sales of the domestic industry improved during the same period. The market share in demand of the domestic industry and other producers have declined to 95.96% during POI as compared to 97.36% in 2002-03. The profitability, profits and return on investment of the domestic industry improved considerably during POI as compared to base year. The evaluation of injury parameter shows that the performance of the domestic industry has improved significantly after imposition of the anti-dumping duty.

E.4 OTHER KNOWN FACTORS AND CAUSAL LINK

52. The Authority examined whether other listed known factors could have caused or are likely to cause injury to the domestic industry.

Volume and prices of imports from other sources

53. Imports from various countries have been as under:-

	Unit	2002-03	2003-04	2004-05	POI
Imports volume					
China	MT	459	345	139	771
Trend	Indexed	100.00	75.14	30.34	168.05
Other Countries	MT	857	316	947	1454
Trend	Indexed	100.00	36.92	110.51	169.66
Total imports	MT	1,316	661	1,086	2,225
Trend	Indexed	100.00	50.24	82.57	169.10

Market share in imports						
China	%	34.85	52.12	12.80	34.63	
Other Countries	%	65.15	47.88	87.20	65.37	

54. During the POI, in addition to the imports of subject goods from subject country, imports have taken place from number of other countries also. The import from other sources has increased from 857 MT to 1454 MT during POI, however, the import price from other countries were higher than the import price from China.

Contraction in demand and/or change in pattern of consumption

55. Demand over the period was as under -

	Unit	2002-03	2003-04	2004-05	POI
Demand	MT	49,800	51,400	53,000	55,076
Trend	Indexed	100.00	103.21	106.43	110.59

56. The domestic demand of the product under consideration has increased by 11% during POI. It is noted that the demand has consistently increased during the entire injury period. Thus, possible contraction in demand is not a factor that could have caused injury to the domestic industry.

Trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers

57. The subject goods are freely importable and no evidence of trade restrictive practices causing injury to the domestic industry have been noticed during the course of the investigations.

Developments in technology and export performance

58. There is no evidence on records which suggests that development in technology or export performance of the domestic industry is a reason of injury to the domestic industry.

Productivity of the Domestic Industry

59. Productivity of the domestic industry has been positive during the POI and therefore does not appear to be a cause of likely injury to the domestic industry.

E.5 LIKELIHOOD OF CONTINUATION OR RECURRENCE OF INJURY

60. The domestic industry has argued that the requirement under sunset review is to examine whether revocation of anti dumping duty is likely to lead to continuance or recurrence of injury to the domestic industry. The Authority has determined that the subject goods are continuing to enter the Indian market at dumped prices and are likely to be exported at dumped prices from China in the event of withdrawal of anti dumping duties. It is pertinent to examine whether injury to the domestic industry is likely to recur due to these dumped imports if the duty is removed. It has already been established that the actual landed value of imports from China without the

antidumping duty were below the non-injurious price determined for the domestic industry.

61. In absence of any laid down parameters to examine the likelihood of continuation or recurrence of injury, the Authority considered the parameters relating to the threat of material injury in terms of Annexure II (vii) of the Rules, which states as under:

"A determination of a threat of material injury shall be based on facts and not merely on allegation, conjecture or remote possibility. The change in circumstances, which would create a situation in which the dumping would cause injury, must be clearly foreseen and imminent. In making a determination regarding the existence of a threat of material injury, the Designated Authority shall consider, inter alia, such factors and;

- (a) *a significant rate of increase of dumped imports into India indicating the likelihood of substantially increased importation.*
- (b) *Sufficient freely disposable or an imminent, substantial increase in capacity of the exporter indicating the likelihood of substantially increased dumped exports to Indian market, taking into account the availability of other export markets to absorb any additional exports.*
- (c) *Whether imports are entering at prices that will have a significant depressing or suppressing effect on domestic prices, and would likely increase demand for further imports and,*
- (d) *Inventories of the article being investigated."*

62. The domestic industry contended that the exporters from China continued to export the subject goods at dumped prices in the Indian market and producers in China are likely to resort to dumping of subject goods in the Indian market due to excess capacities in subject countries and surplus available with them. The domestic industry repeatedly stressed that the price difference between the domestic and imported material has been so huge that there is no reason to believe that China would not divert significant volumes of the subject goods to the Indian market in case the anti dumping duties are withdrawn, more so when freely disposable capacities exist with the foreign producers.

E.6 Examination by the Authority

63. The Authority notes that the financial performance of the domestic industry has improved considerably after imposition of anti-dumping duty. The production, capacity utilization and sales of the domestic industry similarly improved during POI as compared to base year. Similarly, profitability, profits and return on the capital employed have also improved during POI and continuation of the anti-dumping duty.

64. The Authority further notes that imports from the subject country is continuing at the dumped prices. The undercutting and underselling without factoring in the anti-dumping duty were in the range of 25-35% during POI. However, it has been noted that imports from the subject country declined significantly and were in the range of 15-23% in 2001-02 to 2004-05 and POI as compared to imports in 2000-01.

65. In view of the foregoing, the Authority is of the view that in case of withdrawal of anti-dumping duty, the dumped material from the subject country would surge and keeping in view the undercutting the net selling price of the domestic industry would be adversely impacted. Consequently, profitability, profit and return on investment would have adverse effect. The Authority, therefore, holds that in case of withdrawal of anti-dumping duty, the injury to the domestic industry is likely to recur.

F. Conclusions

66 Having regard to the contentions raised, information provided and submissions made by the interested parties and facts available before the Authority through the submission of interested parties or otherwise as recorded in the above findings and on the basis of the above analysis of the state of current and likely dumping and injury and likelihood of continuation or recurrence of dumping and injury, the Authority concludes that :-

- i) the subject goods are entering the Indian market at dumped prices and dumping margin from subject country is significant and above de-minimis.
The subject goods are likely to enter the Indian market at dumped prices, should the present measures be withdrawn.
- ii) even though the domestic industry has improved its performance over the injury period, the injury to domestic industry may recur, should the present anti-dumping duties be withdrawn, injury to the domestic industry is likely to continue or recur.

67. Having concluded that the situation of the domestic industry has improved due to anti-dumping duty in place, there is likelihood of continuation or recurrence of dumping and injury on account of imports from subject country if the duties are revoked, the Authority is of the opinion that continuation of the measure is necessary against import from China PR.

68. The Authority considers it necessary to continue with an anti-dumping duty on all imports of subject goods from subject country in order to remove the injury to the domestic industry. The Authority recommend the amount of anti-dumping duty equal to the margin of dumping or less, which if levied, would remove the injury to the domestic industry. For the purpose of determining injury, the landed value of imports has been compared with the weighted average non-injurious price of the domestic industry determined for the period of investigation.

G. Recommendations

69. It is considered necessary to impose definitive anti-dumping duty on the imports of subject goods. Accordingly, the Authority recommends imposition of anti-dumping duty on the imports of Zinc Oxide.

70. It is decided to recommend the amount of anti-dumping duty equal to the margin of dumping or less, which if levied, would remove the injury to the domestic industry. The landed price of imports was also compared with the non-injurious price

of the domestic industry, determined for the period of investigation. In this case dumping margin is less than injury margin, accordingly, anti-dumping duty equal to the amount indicated in Col 8 of the table below is recommended to be imposed by the Central Government, on all imports of subject goods originating in or exported from the subject country.

Duty Table

Sl. No	Sub-Heading Or Tariff Item	Description of Goods	Country of Origin	Country of Export	Producer	Exporter	Amount	Unit of Measurement	Currency
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
1.	28170010, 38123030	Zinc Oxide all Grades 99.5% purity	China PR	China PR	Any	Any	430.93	MT	USD
2.	Do	Do	China PR	Any country other than China PR	Any	Any	430.93	MT	USD
3.	Do	Do	Any country other than China PR	China PR	Any	Any	430.93	MT	USD

71. The above duties on Zinc Oxide with purity 99.5%. In case lower content/purity of subject goods are exported from subject country, the anti-dumping duties would vary proportionately.

72. Landed value of imports for the purpose shall be the assessable value as determined by Customs under the Customs Act, 1962 and all duties of customs except duties levied under Sections 3, 3A, 8B, 9 and 9A of the Customs Tariff Act, 1975.

73. The Authority may review the need for continuation, modification or termination of the definitive measure as recommended herein from time to time as per the relevant provisions of the Act and public notices issued in this respect from time to time. No request for such a review shall normally be entertained by the Authority unless the same is filed by an interested party within the time stipulated for this purpose.

74. An appeal against this order shall lie before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal in accordance with the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and Customs Tariff Rules, 1995.

CHRISTY L. FERNANDEZ, Designated Authority